मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 31 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 13 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 195 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ युद्ध की विभीषिका झेलता आम आदमी

तू मेरी जिंदगी के लिए मनाली पहुंचे कार्तिक आर्यन ◂◂ 6

पेंशन भुगतान में देरी पर हाईकोर्ट सख्त, तीन अधिकारियों का वेतन रोका, प्रधान सचिव को नोटिस

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत में पेंशन बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने के खिलाफ दाखिल अवमानना मामले की सुनवाई हुई।

सुनवाई के बाद अदालत ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, मुख्य अभियंता मनोहर कुमार, अधीक्षण अभियंता राकेश कुमार श्रीवास्तव और कार्यपालक अभियंता विनोद कच्छप को नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

इन सभी अधिकारियों को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 12 जून को निर्धारित की गई है। अदालत ने मुख्य अभियंता मनोहर कुमार, अधीक्षण अभियंता राकेश कुमार श्रीवास्तव तथा कार्यपालक

अभियंता विनोद कच्छप का वेतन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा है कि यदि अगली तिथि तक आदेश का पालन नहीं हुआ, तो प्रधान सचिव का वेतन भी रोक दिया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 12 जून को होगी। इस संबंध में रंजीत बिहारी प्रसाद ने अवमानना याचिका दाखिल की है।

अदालत ने अपने पूर्व आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया था कि प्रार्थी को उनके अंतिम वेतन (ग्रेड पे 4200) के आधार पर पेंशन एवं अन्य पेंशनरी लाभ निर्धारित कर भुगतान किया जाए।

सोमनाथ ओझा को भी अंतिम वेतन 23 हजार रुपये के आधार पर पेंशन और छठे वेतन आयोग के अनुसार बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। इस पूरी प्रक्रिया को आठ सप्ताह के भीतर पूरा करने का आदेश दिया गया था।

अदालत ने पाया कि निर्धारित समय सीमा में आदेश का पालन नहीं किया गया। इसके बाद प्रार्थी ने सात मई 2024 को अवमानना याचिका दायर की। 14 जनवरी 2025 को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से चार सप्ताह का समय मांगा गया, लेकिन इसके बावजूद आदेश का अनुपालन नहीं किया गया।

राज्य सरकार ने बाद में 25 जून 2025 को एकलपीठ के आदेश के खिलाफ खंडपीठ में अपील दाखिल की, जो प्रारंभ में त्रुटिपूर्ण थी और कई अवसर दिए जाने के बावजूद समय पर त्रुटियां दूर नहीं की गईं।

इसके बाद भी राज्य की ओर से सुनवाई के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इसरार अहमद खान बनाम अमरनाथ प्रसाद के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि आदेशों के अनुपालन में देरी और बाद में विलंबित अपील दाखिल कर अवमानना से बचने की कोशिश न्यायिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

ऐसे मामलों में सख्ती से निपटने की जरूरत है। अदालत ने इस आदेश की प्रति महालेखाकार, मुख्य सचिव, वित्त सचिव तथा राज्य के संबंधित विभागों को भेजने का निर्देश दिया है ताकि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

रामगढ़ में जेईई मेंस परीक्षा से पहले बड़ा फर्जीवाड़ा का खुलासा

सिस्टम बदलने की थी साजिश

संवाददाता

रामगढ़: जिले के एक विश्वविद्यालय में आगामी 2 अप्रैल 2026 से होने वाली जेईई मेंस परीक्षा से पहले एक बड़े संगठित फर्जीवाड़े का पदार्फाश हुआ है। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर लैब में घुसकर सिस्टम बदलने और परीक्षा को प्रभावित करने की साजिश रची जा रही थी, जिसे समय रहते पकड़ लिया गया।

इस मामले में रामगढ़ पुलिस में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, मौके से 70 कंप्यूटर, एक फॉर्च्यूनर और तीन मोबाइल जब्त किए गए हैं। पूरे मामले में जिला प्रशासन और जिला पुलिस गंभीरतापूर्वक तहकीकात कर रही है। यह घटना 29 मार्च 2026 की है, जब विश्वविद्यालय के तकनीशियन दिनेश कुमार महतो कुछ बाहरी लोगों के साथ मिलकर कंप्यूटर लैब में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। आरोप है कि ये लोग ळउर कंपनी का नाम लेकर बिना किसी आधिकारिक अनुमति के लैब में घुसे और वहां लगे कंप्यूटर सिस्टम, मॉनिटर और सीपीयू के साथ छेड़छाड़ करने लगे।

कैसे हुआ मामले का खुलासाः मामले का खुलासा तब हुआ जब विश्वविद्यालय के कर्मचारी उमेश कुमार साव की नजर लैब पर पड़ी। उन्होंने देखा कि लैब का दरवाजा खुला हुआ है और कुछ लोग कंप्यूटर मॉनिटर खोलकर फॉर्च्यूनर गाड़ी में रख रहे हैं। साथ ही गाड़ी से कई नए मॉनिटर निकालकर लैब में लगाए जा रहे थे। जब उमेश साव ने इसका विरोध किया तो गाड़ी के पास खड़े सूरज कुमार ने उन्हें धमकी देने की कोशिश की।

शक गहराने पर जब और पूछताछ की गई तो आरोपियों ने खुद को ळउर का कर्मचारी बताते हुए कहा कि जेईई मेंस परीक्षा से पहले सिस्टम अपडेट और सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने का निर्देश मिला है। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने जब इसकी पुष्टि टीसीएस के एरिया हेड से की, तो साफ हो गया कि कंपनी की ओर से ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया गया था।

इसके बाद पूरे मामले का पदार्फाश हुआ और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी दिनेश कुमार महतो ने पूछताछ में कबूल किया कि उसे टीसीएस वाले राजेश ठाकुर, टीसीएस कर्मचारी रविशंकर एवं शकिर अंसारी के द्वारा कुछ पैसों का लालच देकर इस साजिश में शामिल किया गया था। योजना के तहत कुछ खास छात्रों को परीक्षा पास कराने के लिए कंप्यूटर सिस्टम बदले जा रहे थे और उनमें विशेष सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया जाना था। इसके बदले प्रति मॉनिटर 10 हजार रुपये देने की डील तय हुई थी। फॉर्च्यूनर गाड़ी से पकड़े गए सूरज कुमार ने भी खुलासा किया कि उसे छपरा निवासी एक व्यक्ति द्वारा मॉनिटर उपलब्ध कराए गए थे और निर्देश दिया गया था कि टीसीएस के नाम पर विश्वविद्यालय में घुसकर सिस्टम बदलने का काम करना है। इस पूरे रैकेट का मकसद 2 अप्रैल से 8 अप्रैल तक होने वाली जेईई मेंस परीक्षा में सेटिंग कर मोटी रकम वसूलना था।

नालंदा के शीतला मंदिर में भगदड़, 9 श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

नालंदाः बिहार के नालंदा जिले में बड़ा हादसा पेश आया है। यहां शीतला मंदिर में अचानक से भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में अब तक करीब 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचा, जहां डाक्टरों ने आठ को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों का इलाज जारी है। मृतकों में सभी महिलाएं हैं। सूत्रों ने बताया कि मृतकों में से पांच की पहचान देवंती देवी, रेखा देवी, मालो देवी, चिंता देवी और कांति देवी के रूप में की गई है। अन्य मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है।

बताया जा रहा कि चैत्र मास का अंतिम मंगलवार होने के चलते यहां भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए। इस बीच कुछ श्रद्धालु जल्दबाजी में कतार तोड़कर एक के ऊपर एक चढ़ने लगे, जिससे अफरा तफरी मच गई। लोग एक के ऊपर एक गिरते गए। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव शुरू किया। बता दें कि हर मंगलवार को यहां पूजा करने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस मंगलवार को सुरक्षा-व्यवस्था पूरी तरह चौपट दिखी। पूजा करने के लिए श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ हुई इसी में किसी कारण भगदड़ मच गई।

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान लगाएगा टोल ,संसदीय समिति की मंजूरी

नेतन्याहू बोले- जंग कब खत्म होगी, नहीं बता सकता

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसीः ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का फैसला किया। ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लान के तहत जहाजों को ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल देना होगा। साथ ही अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों की एंट्री पर रोक लगाने का प्रावधान भी शामिल है।

हालांकि, यह प्रस्ताव अभी कानून नहीं बना है और इसे लागू होने से पहले संसद, गार्जियन काउंसिल और राष्ट्रपति की मंजूरी लेनी होगी। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल सप्लाई का अहम मार्ग है, ऐसे में इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें नहीं

पता ईरान के साथ चल रही जंग कब खत्म होगी। इसका समय तय नहीं किया जा सकता। न्यूजमैक्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया कि युद्ध के आधे से ज्यादा टारगेट हासिल किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंत में ईरान का मौजूदा शासन कमजोर हो जाएगा।

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर किया एयरस्ट्राइक : अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है।

क्या खत्म होने वाला है ईरान-अमेरिका युद्ध? ट्रंप ने दिए बड़े संकेत, रिपोर्ट में दावा

होर्मुज स्ट्रेट खोले बिना ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने को तैयार हुए ट्रंप

नई दिल्ली/एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को समाप्त करने के संकेत दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अपने करीबियों से कहा है कि वे युद्ध को रोकने के लिए तैयार हैं, भले ही दुनिया की तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होमुर्ज स्ट्रेट फिलहाल बंद रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप का मानना है कि हॉर्मुज के रास्ते को जबरन खुलवाने का अभियान काफी मुश्किल है और इसमें लंबा समय लग सकता है, जबकि वे इस सैन्य संघर्ष को चार से छह सप्ताह के भीतर ही निपटाना चाहते हैं। राष्ट्रपति का आकलन है कि अमेरिका ने अपने मुख्य लक्ष्य–ईरान की नौसेना को पंगु बनाना और उसके मिसाइल भंडार को नष्ट करना काफी हद तक हासिल कर लिए हैं। अब वाशिंगटन का इरादा तेहरान पर राजनयिक दबाव बनाने का है ताकि व्यापारिक मार्ग फिर से खुल सकें। यदि यह प्रयास विफल रहता है, तो अमेरिका अपने यूरोपीय और खाड़ी सहयोगियों से इस समुद्री रास्ते को खुलवाने का नेतृत्व करने को कह सकता है।

बता दें कि यह युद्ध 28 फरवरी को तब शुरू हुआ था जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर भीषण हवाई हमले किए थे। इन हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई सहित कई शीर्ष ईरानी नेताओं के मारे जाने की खबर है। जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों जैसे दुबई, कुवैत और कतर पर जवाबी हमले किए हैं। इस तनाव के कारण हॉर्मुज जलमार्ग बंद है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा ठप पड़ा है। भारत जैसे देशों के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी 80 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति यहीं से होती है।

इधर, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संकेत दिए हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्ध के खर्च का बोझ अरब देशों पर डालने में रुचि रख सकते हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ट्रंप इस बात पर विचार कर रहे हैं कि खाड़ी देश इस सैन्य अभियान की लागत में हाथ बटाएं।

जमीन पर आए तो आसमान में भेंज देंगे, ईरान ने ट्रंप की सेना को दिखा दिया ट्रेलर

नई दिल्ली/एजेंसीः अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का तेल और उसकी जमीन कब्जा लेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वह ईरान का तेल अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। 29 मार्च को फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ट्रंप बोले मुझे सबसे अच्छा यही लगता है कि हम ईरान का तेल ले लें। उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला से की जहां राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उठाने के बाद से वहां के तेल इंडस्ट्री को लंबे समय तक अपने कंट्रोल में रखने की योजना बनाई गई है। ईरान का ज्यादातर तेल एक ही जगह से बाहर आता है खार्ग आइलैंड से।

ईरानी नेवी के हेलीकॉप्टर और सिर पर लाल हरी पट्टियां बांधे पासदाराने इस्लाम के जवान तैयार हैं अपनी जमीन की अपनी बॉर्डर की हिफाजत के लिए। ईरान का खार्ग आइलैंड जो रणनीतिक नजरिए से बेहद अहम है जिन पर दुश्मन घात लगाए बैठा है। ऐसे में ईरान ने अपनी नेवी और फोर्सेस मुस्तैद कर दी हैं। इस मंसूबे के साथ कि अगर यहां दुश्मन के कदम पड़ गए तो उनकी कब्रें वहीं बना दी जाएं। खार्ग, केशम, अबू मूसा, ग्रेटर और लेसर तनाब जैसे द्वीपों पर जजीरों पर ईरान ने अपनी फोर्स लगा दी है। ईरान के मीडिया प्रेस टीवी पर जारी वीडियो में दिखाया गया है कि द्वीपों पर ईरान अपनी फौजें उतार रहा है। कहा जा रहा है कि अमेरिका के फौजियों को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। यह हक और हकूक की जंग है। इमाम अली के चाहने वालों की जंग है। दरअसल जिस आक्रामक अंदाज में इन जजीरों पर ईरान ने अपनी फर्सेस लगाई है, वो ईरान के लिए महत्वपूर्ण है।

खर्ग आइलैंड तो ईरान के लिए अन्नदाता की भूमिका निभाता है। यहां से ईरान का 90% तेल एक्सपोर्ट होता है। लेकिन पिछले एक महीने से इसराइल और अमेरिकी हमले झेल रहे ईरान के सामने इस वक्त सबसे बड़ा चैलेंज अपने इस द्वीप को बचाने का है। बचाना इसलिए है क्योंकि अमेरिका इस जजीरे पर गिद्ध की नजर गड़ाए बैठा है। इस द्वीप को इसराइल ने टारगेट बनाने का प्रयास भी किया। था। खर्ग सिर्फ एक आइलैंड ही नहीं, समुंदर के बीच जमीन का एक टुकड़ा ही नहीं बल्कि ईरान की इकॉनमी की धड़कन है। यही वो जगह है जहां से ईरान का तेल दुनिया भर में जाता है। अगर यह रुक जाए तो ईरान की इकॉनमी करीब-करीब ठप होने का खतरा है। इसलिए खर्ग आइलैंड को बचाने के लिए ईरान ने कमर कस ली है। कुछ तस्वीरें तो सोशल मीडिया पर यह भी आई थी कि ईरान के आम नौजवान खर आइलैंड को बचाने खुद ही लड़ने के लिए निकल गए हैं। ऐसा ही है केशम द्वीप जो कि फारस की खाड़ी पर मौजूद है और यहां पर भी ईरान ने अपनी नेवी अपनी फोर्सेस मुस्तैद कर दी हैं। 7 मार्च 2026 को अमेरिकी इसराइल एयर स्ट्राइक ने द्वीप के डिसलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया था, जिसमें 30 गांव की पानी की सप्लाई ठप हो गई थी। इसके जवाब में आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया था और उन्हें नाबूद करके रख दिया था।

न्यूज IN ब्रीफ

होम गार्ड बहाली की तैयारियों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

चतरा : जिले में कल एक अप्रैल से आयोजित होने वाली होम गार्ड बहाली प्रक्रिया को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए बहाली प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन को लेकर भी विस्तृत निर्देश दिए।इस अवसर पर बहाली के दौरान होने वाली प्रक्रियाओं का ट्रायल भी कराया गया, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था की संभावना को पहले ही समाप्त किया जा सके। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया।जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि बहाली प्रक्रिया निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो। मौके पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, चतरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला का शुभारंभ

चतरा : जिला मुख्यालय स्थित दीभा के स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र का आरंभ पलामू विभाग के विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

यह कार्यशाला विद्या भारती योजना के अंतर्गत पूरे झारखंड में संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों के बौद्धिक एवं शैक्षणिक विकास को सुदृढ़ करना है। विदित हो यह कार्यशाला 30 मार्च से 1 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी।।कार्यक्रम की प्रस्तावना विद्यालय के वरीय आचार्य चंद्रमोहन मिश्रा ने प्रेरणादायी प्रसंग ह्मन के हारे हार, मन के जीते जीतह्व के माध्यम से प्रस्तुत की।कार्यशाला के दौरान विभाग प्रमुख द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा विद्यालय के समग्र विकास की दिशा में विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास, जननी प्रतिभा सम्मान, आगामी कार्ययोजना तथा विद्यालय की शिक्षण एवं भौतिक व्यवस्थाओं को और अच्छे तरह से जानने और उसे सुदृढ़ बनाने पर भी गंभीर मंथन हुआ।इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य बंधु-भगिनी एवं दीदीजी ने सक्रिय सहभागिता निभाई।कार्यशाला का प्रथम दिवस अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा, जिससे यहां के आचार्यों और दीदी जी को अपने शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी एवं परिणामकारी बनाने में सहायता मिलेगी।

इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय का वार्षिक परीक्षाफल किया गया प्रकाशित

चतरा : स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, दीभा में सोमवार को सत्रः 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम विद्यालय के सभागार में प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पलामू विभाग के विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार, विद्यालय कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष संतन पांडेय तथा प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती, ओम तथा भारत माता की चित्र के सामने दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चण के साथ हुआ। विद्यालय के वाटिका खंड,शिशु मंदिर खंड और विद्या मंदिर खंड के सभी कक्षाओं में प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को पुरस्कृत किया गया। विद्या मंदिर खंड से कक्षा अष्टम अ की बहन आराध्या कुमारी (94.89%), शिशु मंदिर खंड से कक्षा पंचम अ की बहन सुमन कुमारी(93.84%) तथा वाटिका खंड से कक्षा अरुण अ की बहन रियांशी कुमारी ने (98.63%) अंक लाकर अपने अपने खंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कक्षा सप्तम अ के भैया रितेश कुमार, कक्षा द्वितीय ब के भैया अभिराज कुमार व कक्षा प्रथम अ की बहन जयश्री अग्रवाल को अपने कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति के लिए पुरस्कृत किया गया। भैया- बहनों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्य अतिथि संतन पांडेय ने कहा कि भैया बहन देश के भविष्य है और उन्हें अधिक मेहनत करना चाहिए। हमारे जीवन में परीक्षा का बड़ी महत्ता है।उन्होंने कहा जीवन एक परीक्षा है और हमें अपने जीवन में कई परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा। इसके लिए आप सभी को तैयार रहना चाहिए ।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महावीर जयंती निकाली गई प्रभात फेरी व भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

खूंटी : जिले के कर्रा रोड स्थित जैन मंदिर में जैन समाज द्वारा भगवान महावीर जयंती बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह से ही धार्मिक वातावरण बना रहा और पूरे नगर में भक्ति, शांति एवं भाईचारे का संदेश गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी और भगवान महावीर की भव्य शोभायात्रा से हुई, जिसमें जैन समाज के महिला, पुरुष, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सुबह जैन मंदिर से भगवान महावीर की सुसज्जित पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी में भगवान महावीर की प्रतिमा को विराजमान कर जैन समाज के युवाओं ने पीतांबरी वस्त्र धारण कर अपने कंधों पर उठाया और पूरे नगर का भ्रमण कराया। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की।

इस शोभायात्रा में शामिल जैन समाज के युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी युवा पारंपरिक पीतांबरी परिधान में अनुशासित ढंग से चल रहे थे। वहीं महिलाएं पीले रंग की पारंपरिक साड़ियों में सुसज्जित होकर भक्ति गीत गाते और नृत्य

करते हुए शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। बच्चों ने भी इस धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चे अपने हाथों में जैन धर्म की पताकाएं, प्रतीक चिन्ह और धार्मिक संदेश लिए हुए आगे-आगे चल रहे थे, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और मनमोहक बन गया। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं और जैन समाज के लोगों द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कई स्थानों पर भगवान महावीर की आरती उतारी गई और पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा में शामिल महिलाएं पूरे रास्ते शांति, अहिंसा, सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश देती रहीं। पारंपरिक लोकगीतों और भजनों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा नगर भ्रमण के बाद पुनः जैन मंदिर, खूंटी पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर का भव्य स्वागत किया। इसके बाद भगवान महावीर की प्रतिमा को पालकी से उतारकर विधिवत पांडुकशिला पर विराजमान कराया गया। मंदिर परिसर में वैदिक एवं जैन परंपरा के अनुसार जलाभिषेक, पूजन और शांतिधारा का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ भगवान महावीर की आराधना की और उनके बताए मार्ग–अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, संयम और करुणा–पर चलने का संकल्प लिया। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात जैन समाज की ओर से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद स्वरूप भंडारे और लड्डू का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। शाम के समय मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। महावीर जयंती के इस पावन अवसर पर जैन समाज के लोगों ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन केवल एक धर्म विशेष के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका अहिंसा, प्रेम, सत्य और सह-अस्तित्व का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। समाज के लोगों ने इस अवसर पर समाज में शांति, सौहार्द और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।इस सफल आयोजन को संपन्न कराने में जैन समाज के कई गणमान्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन समाज के अध्यक्ष शेखर चंद जैन, श्रीपाल चंद जैन, रमेश जैन, प्रकाश जैन, अरविंद जैन और मनीष जैन सहित समाज के अन्य सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

खूंटी में आक्रोश मशाल जुलूस निकाला गया

संवाददाता

खूंटी : मुरहू में रामनवमी शोभायात्रा पर हुए पथराव के बाद से पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। मुरहू में प्रशासन द्वारा धारा 163 लागू की गई है और क्षेत्र में बंदी की स्थिति बनी हुई है। इस घटना के विरोध में तथा केंद्रीय रामनवमी महासमिति के सदस्यों पर हुए कथित जानलेवा हमले के खिलाफ खूंटी में पिछले दो दिनों से बंद जारी है। इसी क्रम में सोमवार की शाम खूंटी शहर में हिंदू संगठनों, महासमिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने एक विशाल आक्रोश मशाल जुलूस निकाला। इस जुलूस में सैकड़ों की संख्या में लोग हाथों में मशाल लेकर सड़कों पर उतरे और विरोध प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिंदू एकता जिंदाबाद और खूंटी प्रशासन मुदार्बाद जैसे नारे लगाए। मशाल जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नेताजी चौक, खूंटी पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि घटना को लेकर अब तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। बताया जा रहा है कि बंद को लेकर प्रशासन, केंद्रीय रामनवमी महासमिति और हिंदू संगठनों के बीच अब तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। ऐसे में संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद जारी रखने का संकेत दिया है। साथ ही कल भी संपूर्ण बंद का आवाहन किया गया है। घटना के बाद खूंटी और मुरहू क्षेत्र में स्थिति को देखते हुए प्रशासन सतर्क है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव के बाद खूंटी अनिश्चितकालीन बंद, दोषियों की गिरफ्तारी और निदोर्षों की रिहाई की मांग तेज।

रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हुए पथराव और अगले दिन दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद खूंटी में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। इस घटना के विरोध में महासमिति खूंटी के काफिले और सदस्यों पर हुए कथित जानलेवा हमले के खिलाफ रविवार और सोमवार को समस्त हिन्दू संगठनों के आवाहन पर खूंटी बंद रखा गया। बंद के बाद बड़ी संख्या में लोग खूंटी थाना पहुंचे और प्रशासन से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, साथ ही निर्दोष हिंदुओं को रिहा करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कुछ लोगों को केवल संतुलन बनाने के लिए हिरासत में लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपियों पर अब तक अपेक्षित सख्ती नहीं दिखी है। रविवार को प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत के बावजूद जब कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी, तो उसी दिन अनिश्चितकालीन खूंटी जिला बंद का आह्वान कर दिया गया। इस आह्वान का असर सोमवार सुबह से ही पूरे खूंटी में साफ दिखाई दिया। शहर की लगभग सभी दुकानें बंद रहीं, सड़कें सूनी नजर आईं और यहां तक कि सोमवार को लगने वाली साप्ताहिक खूंटी बाजार भी सुनसान दिखाई दी। इस बंद की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि दूध की आपूर्ति भी प्रभावित रही, जो आमतौर पर बंद के दौरान भी पूरी तरह नहीं रुकती। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पहली बार देखा गया कि बिना किसी संगठन के सड़कों पर उतरे भी पूरा शहर स्वेच्छा से बंद रहा।

छोटी-बड़ी दुकानें और बाजार स्वतः बंद रहे, जिससे साफ संकेत मिला कि लोगों में घटना को लेकर गहरी नाराजगी और असंतोष है।

बंद समर्थकों और स्थानीय हिंदू संगठनों का कहना है कि हिंदू त्योहारों और शोभायात्राओं के दौरान बार-बार तनाव, पथराव और टकराव जैसी घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। उनका आरोप है कि ऐसी घटनाओं में समय रहते कड़ी और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होने के कारण असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ता है।

फिलहाल खूंटी में स्थिति को लेकर लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हुई हैं। आमजन और संगठनों का कहना है कि अब यह देखना अहम होगा कि प्रशासन दोषियों के खिलाफ कितनी तेजी और निष्पक्षता से कार्रवाई करता है, ताकि जिले में दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

संवाददाता

चतरा : सोमवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की चतरा इकाई की कार्यकारिणी बैठक रेड क्रॉस परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम और संचालन सचिव धर्मेंद्र पाठक ने किया। बैठक के दौरान पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई। समीक्षा में बताया गया कि रेड क्रॉस परिसर में वाहनों की सुरक्षा के लिए शेड का निर्माण कराया गया है। साथ ही बरसात में पानी टपकने की समस्या को देखते हुए दुकान संख्या 9, 10 और 11 की छत की मरम्मत कराई गई है।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से परिसर में 8 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा चाहरदीवारी पर कंटीले तार लगाने, रक्त जांच के लिए एलाइजा मशीन की स्थापना, ट्यूब शिलर के साथ दो खराब पड़े फ्रिज की मरम्मत जैसे कार्यों की भी समीक्षा की गई।बैठक में आगे की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि दुर्घटनाग्रस्त ब्लड डोनेशन वैन की मरम्मत कराई जाएगी तथा खराब पड़े जनरेटर को भी जल्द दुरुस्त किया जाएगा। वहीं बारिश के मौसम में दुकानों में पानी भरने की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्लेटफॉर्म निर्माण कराया जाएगा। बैठक में प्राइवेट नर्सिंग होम में ब्लड ले जाने वालों के लिए 200 रुपये के प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ाने का निर्णय लिया गया। एक अप्रैल से अब निजी नर्सिंग होम में ब्लड ले जाने वालों को 1050 रुपया का चार्ज देना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त रेड क्रॉस परिसर के ऊपरी तल्ले पर बिना एग्रीमेंट के संचालित दुकान संख्या 4 और 5 के दुकानदारों के खिलाफ सर्टिफिकेट केस दर्ज करने का भी निर्णय लिया गया।बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार वर्मा, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय अग्रवाल, कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य संतन पांडेय, पंकज कुमार दुबे, जावेद पप्पू रजा, सत्येंद्र मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा आम्रेश्वर धाम में आज से पांच दिवसीय मंडा पूजा शुरू

2 अप्रैल की रात होगा भव्य जागरण व छऊ नृत्य कार्यक्रम

संवाददाता

खूंटी : आस्था, श्रद्धा और पारंपरिक लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम लिए बाबा आम्रेश्वर धाम में आज से पांच दिवसीय मंडा पूजा का शुभारंभ हो गया। पूजा की शुरूआत पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई। धाम परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी और वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस पावन अनुष्ठान का संचालन आम्रेश्वर धाम के मुख्य पुजारी श्री हरिहर कर के द्वारा विधिवत रूप से किया जा रहा है। बताया गया कि इस वर्ष मंडा पूजा का अनुष्ठान 15 भगतियों के साथ आरंभ हुआ है। सभी भगत श्रद्धा, नियम और तपस्या के साथ इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

मंडा पूजा के अंतर्गत प्रत्येक दिन का विशेष धार्मिक महत्व है। पूजा समिति से मिली जानकारी के अनुसार–

पहले दिन से ही अनुष्ठान की शुरूआत हुई है। तीसरे दिन धुवासी की परंपरा निभाई जाएगी, जो मंडा पूजा का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक चरण माना जाता है।

चौथे दिन से भगत निर्जला व्रत रखेंगे और पूर्ण समर्पण के साथ पूजा-अर्चना करेंगे। पांचवें दिन झूलन के साथ इस पांच दिवसीय अनुष्ठान की पूणार्हुति होगी।

माना जाता है कि मंडा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि तप, त्याग, संयम और लोकआस्था का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर दूर-दराज के गांवों से भी श्रद्धालु बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंच रहे हैं।

इस वर्ष दिनांक 2 अप्रैल 2026 की रात्रि में बाबा आम्रेश्वर धाम परिसर में भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा इसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। धाम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है और श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

जागरण के अवसर पर इस बार लोकसंस्कृति का विशेष आकर्षण भी देखने को मिलेगा। श्रद्धालुओं और दर्शकों के मनोरंजन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए पुरुलिया, पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध छऊ नृत्य मंडलियों को आमंत्रित किया गया है।

इस बार कार्यक्रम में शामिल होंगी। शहीद मातंगिनी हाजरा छऊ नृत्य मंडली, पुरुलिया (बंगाल)

यह मंडली राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता है और अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध है।

काड़ीह शिशु कल्याण महिला छऊ नृत्य मंडली, चिरकाडीह, पुरुलिया

यह महिला मंडली भी अपनी पारंपरिक एवं जीवंत छऊ प्रस्तुति के लिए जानी जाती है। दोनों मंडलियों द्वारा रात भर छऊ नाच का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे धार्मिक उत्सव के साथ-साथ लोककला की अनमोल छटा भी देखने को मिलेगी। आयोजकों का मानना है कि इस कार्यक्रम से क्षेत्र के लोगों को अपनी लोकसंस्कृति से जुड़ने का एक सुनहरा अवसर मिलेगा। बाबा आम्रेश्वर धाम में आयोजित मंडा पूजा हर वर्ष श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाई जाती है। यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान भी है। मंडा पूजा के दौरान भक्तों की तपस्या, निर्जला व्रत, अनुष्ठान और झूलन जैसी परंपराएं लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ती हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालुओं को उम्मीद है कि बाबा आम्रेश्वर की कृपा से यह अनुष्ठान शांतिपूर्ण, सफल और मंगलमय रूप से संपन्न होगा।

पूजा और जागरण कार्यक्रम को देखते हुए आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए स्थानीय स्तर पर भी तैयारी की जा रही है।

महावरा जयंती पर निकाली गयी भव्य शोभायात्रा

भगवान महावीर के अहिंसा मार्ग को अपनाने की जरूरत : रोशनी खलखो

मेट्रो रेज

रांचीः महावीर जयंती के शुभ अवसर पर जैन श्वेतांबर मंदिर डोरंडा से सुबह 8:30 भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा में शामिल लोग झूमते - नाचते गाते भजनों का आनंद ले रहे थे। जैन समाज के भक्त शोभायात्रा निकालकर झंडा चौक ,डोरंडा बाजार ,पुराना हाईकोर्ट, तुलसी चौक होते हुए वापस जैन श्वेतांबर मंदिर पहुंचे। डोरंडा बाजार के समीप श्री राम भरत मिलाप समिति के प्रांगण में मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत पुष्प वर्षा कर किया गया एवं शोभायात्रा में शामिल सभी लोगों को जल दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा, मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया, सचिव राघव शारदा, आशीष मंगल सहित अन्य उपस्थित थे। मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम मंदिर में आयोजित की गई जैन श्वेतांबर संघ के अध्यक्ष संपत लाल रामपुरिया एवं सचिव विनय नाहटा के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । मंच का संचालन राखी रामपुरिया एवं खुशबू बोथरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रांची की महापौर रोशनी खलखो, रांची के पूर्व उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय, भाजपा के युवा नेता रोहित शारदा,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक दुबे, सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रीमती खालको ने कहा कि जिस समाज ने पूरे विश्व को मार्ग दिखाया है आज इसी मार्ग में चलने की आवश्यकता है। हिंसा से कई राष्ट्र बर्बाद हो रहे हैं उन्हें इस समाज से अहिंसा का ज्ञान लेना होगा अन्यथा पूरी पृथ्वी पर इसका असर पड़ेगा। इस अवसर पर पूर्व महापौर संजीव विजयवर्गी ने कहा कि 120 परिवारों का समाज रांची में होने के बावजूद यह समाज इतना संगठित है जो अन्य समाजों को प्रेरणा देती है और अपने संस्कृति के बहुत करीब है। भाजपा के युवा नेता रोहित शारदा ने कहा कि जिस प्रकार आज का युग है पढ़ाई के साथ-साथ अन्य कार्यों में भी लोगों को सम्मिलित होना चाहिए प्रतिभा की कमी नहीं है खासकर बच्चियों को मार्शल आर्ट जैसी ट्रेनिंग अवश्य लेनी चाहिए। 1 वर्षों से एक दिन भोजन ग्रहण करते हैं और एक दिन उपवास में रहते हैं ऐसे सुरेश चंद्र बोथरा को संस्था के द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन घेवर चंद नाहटा ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रकाश चंद्र नाहटा, बालवीर जैन, अजय कोठारी ,अनिल कोठारी, सुभाष बोथरा, संजय कोठारी सुरेश चंद्र बेगानी, संतोष बेगानी सहित अन्य समाज के लोग शामिल हुए।

भगवान महावीर अस्पताल संस्थान में प्रमाण सागर जी महाराज का आगमन

मेट्रो रेज

रांचीः भगवान महावीर अस्पताल संस्थान द्वारा रातू रोड (रांची) में नवनिर्मित उद्घाटन प्रतीक्षित डायलिसिस सेंटर में महाराज श्री प्रमाण सागर जी का पहली बार पदार्पण हुआ ।

श्री प्रमाण सागर जी महाराज को डायलिसिस सेंटर में आम जनों को किफायती दर पर बेहतरीन डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मास्टर प्लान साझा किया गया। साथ ही उन्हें अन्य गतिविधियों से भी अवगत कराया गया।

संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी व सचिव पंकज सेठी ने महाराज श्री का स्वागत-अभिनंदन किया। इस सेंटर में चालीस बेड का अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर स्थापित किया जा रहा है। जिसमें अंतराष्ट्रीय स्तर की बेहतरीन मशीनें लगायी जा रही हैं। इस सेंटर के माध्यम से मरीजों को इलाज के लिए अब दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

प्रमाण सागर जी महाराज को भगवान महावीर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर के अंतर्गत संचालित भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में निशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं उपचार की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई । इस अस्पताल में अबतक लगभग तीन हजार से अधिक लोगों का निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जा चुका है एवं सैंकड़ों लोगों की निशुल्क नेत्र जांच की जा चुकी है।

मौके पर उपाध्यक्ष गोविंद राम सरावगी, कमल विनायका, पूरणमल जैन सेठी, अमित जैन, रोहित जैन, नरेंद्र जैन, नरेंद्र पड़ूया, पदमचंद जैन, राकेश जैन, रामपाल जैन, हरीश दोषी, जितेन्द्र छाबड़ा सहित अन्य मौजूद थे। उक्त जानकारी युवा मीडिया प्रभारी पौरुष जैन ने दी।

18वां जूनियर व यूथ राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुरू

रांचीः 18वां राज्यस्तरीय बॉक्सिंग जूनियर बालक, बालिका एवं यूथ पुरुष, महिला बॉक्सिंग का आयोजन रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय गुरुनानक स्कूल पीपी कंपाउंड रांची में शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तम सिंह अध्यक्ष झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन एवं आनंद बिहारी दुबे सचिव झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन उपस्थित हुए। इस अवसर पर झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के वरीय उपाध्यक्ष बलजीत सिंह बेदी,राजेश कुमार वर्मा कोषाध्यक्ष सहित आयोजन समिति के विनय सिन्हा दीपू अध्यक्ष रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन, परमजीत सिंह कार्यकारी अध्यक्ष रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन एवं गुलाम जावेद कोषाध्यक्ष रांची जिला उपस्थित थे।

गैस संकट के बीच रांची में कोयले की डिमांड बढ़ी

रांचीः एलपीजी सिलेंडरों की कमी से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने आम जनता को राहत देने के लिए कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों और कोल कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में जिले में एलपीजी सिलेंडरों की घटती उपलब्धता और उसके कारण आम नागरिकों, छोटे-बड़े होटल-रेस्तरां, ढाबा संचालकों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हो रही परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन ने माना कि गैस की कमी के कारण कोयले की मांग तेजी से बढ़ी है, ऐसे में इसकी नियमित और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना जरूरी हो गया है।

आम जनता को कोई परेशानी नहीं होने देंगेः उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला प्रशासन किसी भी स्थिति में आम जनता को परेशानी में नहीं पड़ने देगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कोयला एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक ईंधन के रूप में सामने आया है, इसलिए इसकी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि कोयले की उपलब्धता न केवल पर्याप्त मात्रा में हो, बल्कि आम लोगों को उचित मूल्य पर और अच्छी गुणवत्ता के साथ मिले।

भगवान महावीर का संदेश संपूर्ण मानवता के लिए फलदायी

सत्य,अहिंसा, करुणा व आत्म संयम के महान प्रवर्तक थे

पौरुष जैन

अहिंसा,सत्य, करुणा व आत्म संयम के महान प्रवर्तक वर्तमान अवसर्पिणी काल के शासन नायक 24 वें तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री महावीर भगवान के जन्म कल्याणक महा महोत्सव के अवसर पर सभी साधर्मी जनों को बधाई व शुभकामनाएं।

यह सर्वविदित है कि भगवान महावीर का संदेश 'जियो और जीने दो' संपूर्ण मानवता के लिए शांति, प्रेम और सह अस्तित्व का मार्ग प्रदर्शित करता है। भगवान महावीर का जन्म लगभग 2,500 साल पहले बिहार के कुंडग्राम में हुआ था। उनके पिता का नाम सिद्धार्थ और माता का नाम त्रिशला था। भगवान महावीर ने 30 साल की उम्र में अपने घर का त्याग कर दिया और 12 सालों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें 'कैवल्य ज्ञान' प्राप्त हुआ। महावीर जयंती के अवसर पर, जैन मंदिरों को विशेष रूप से सजाया जाता है, प्रभात फेरी और रथ यात्राएं निकाली जाती हैं और भगवान महावीर की प्रतिमा का अभिषेक किया जाता है। भगवान महावीर का मानवता के लिए संदेश बहुत ही सरल और गहरा है। उनके मुख्य संदेश हैं: अहिंसाः भगवान महावीर ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

सत्यः उन्होंने सत्य की राह पर चलने का संदेश दिया। सत्य ही जीवन का आधार है।

अपरिग्रहः उन्होंने अपरिग्रह के महत्व को बताया। हमें अपनी जरूरतों को सीमित रखना चाहिए और दूसरों की जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए।- ब्रह्मचर्यः उन्होंने ब्रह्मचर्य के पालन का संदेश दिया। यह आत्म-संयम और आत्म-विकास के लिए आवश्यक है।

अचौर्यः उन्होंने अचौर्य के महत्व को बताया। हमें लालचवश दूसरों की चीजों को नहीं लेना चाहिए।

भगवान महावीर का संदेश हमें जीवन के सही मार्ग पर चलने और दूसरों के प्रति सहानुभूति और प्रेम रखने के लिए प्रेरित करता है। आएं, भगवान महावीर के संदेश 'जियो और जीने दो' को आत्मसात करें, जो हमें शांति,प्रेम और सह अस्तित्व का मार्ग प्रदर्शित करता है। इस पावन दिवस पर हम सब अहिंसा, दया, क्षमा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लें।

*(लेखक भगवान महावीर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, रांची के पीआरओ हैं)

रामनवमी आयोजन की सफलता पर मंदिर समिति ने सुखदेवनगर थाना प्रभारी को किया सम्मानित

संवाददाता

रांचीः रामनवमी का पावन पर्व इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस सफल आयोजन के उपरांत पश्चिम मुखी हनुमान मंदिर समिति द्वारा सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करने हेतु सुखदेवनगर थाना पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया । इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने थाना प्रभारी को विधिवत चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा भगवान श्रीराम (राम लला) का पावन छाया चित्र सप्रेम भेंट कर उनके सहयोग के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। समिति ने कहा कि रामनवमी जैसे बड़े धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन की सक्रिय भूमिका अत्यंत सराहनीय रही।

थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा ने भी मंदिर समिति के साथ समन्वय स्थापित करने और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों की अनुशासन एवं सहयोग भावना की भी सराहना की।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में मेहुल प्रसाद, दिलीप वर्मा, सुजीत कुमार, रजत शर्मा, धीरज कुमार एवं असीम पांडे सहित अन्य गणमान्य सदस्य शामिल थे। सभी ने मिलकर इस सफल आयोजन के लिए एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और समाज में शांति, सद्भाव एवं एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

मंदिर समिति ने अंत में सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके संयुक्त प्रयास से यह पावन पर्व सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिलाने की मांग, हाईकोर्ट में याचिका दायर

रांचीः प्रदेश आंगनबाड़ी यूनियन की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय, रांची में राज्य भर की आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी घोषित करने की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण याचिका दायर की गई। यह पहल प्रदेश अध्यक्ष बीना सिन्हा के नेतृत्व में की गई।

याचिका में झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात उच्च न्यायालय एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व निर्णयों को आधार बनाते हुए झारखंड की आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिलाए जाने की मांग की गई है। दोनों उच्च न्यायालयों द्वारा दिये गए महत्वपूर्ण फैसले की जानकारी देते हुए यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा ने बताया कि आंगनबाड़ी कर्मियों के हित में महत्वपूर्ण टिप्पणियां की गई हैं। कई लोग पक्षकार बनेः इस याचिका में प्रदेश अध्यक्ष बीना सिन्हा के साथ विभिन्न जिलों के पदाधिकारी भी पक्षकार बने हैं, जिनमें लातेहार से कवित्री नगेसिया, रांची से शेफाली प्यादा एवं आभा देवी, खूंटी से जयंती नाग, पाकुड़ से पंचमी देवी, गुमला से बृषमणि देवी, चतरा से प्रतिमा देवी, गढ़वा से कौशल्या देवी, पलामू से पुष्पा देवी, सिमडेगा से ग्रेसी भुईयां एवं दुमका से मार्सिला हेंब्रम शामिल हैं।

याचिका की पैरवी झारखंड हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार एवं विमल कुमार द्वारा की जा रही है। इनके साथ जूनियर अधिवक्ताओं की टीम में गोरस चंद्र झा, ऋषि गुप्ता एवं बेबी कुमारी शामिल हैं।

दुमका के बांकीबेरा जलाशय में महाझींगा प्रजाति 'मैक्रोब्रेकियम रोजन्बर्गी' के बीजों का संचयन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन (मत्स्य) एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देशानुसार आदिवासियों की जीविका में सुधार के लिए मत्स्य निदेशालय की ओर से राज्य के विभिन्न जलाशयों में महाझींगा पालन हेतु योजनाएं संचालित की जा रही है। योजनाएं को आइसीएआर-सीआइएफआरआई, बैरकपुर (कोलकाता) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ।अर्चन कांति दास के नेतृत्व व मार्गदर्शन में संचालित किया गया। इस संबंध में झारखंड सरकार के मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने मंगलवार को बताया कि जलाशयों में महाझींगा पालन से आदिवासियों की जीविका में सुधार होगा। उनकी जीवन शैली बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि अभी तक मत्स्य कृषक जलाशय में सिर्फ मछली पालन करते थे, लेकिन अब छोटे-छोटे जलाशयों में मछली के साथ महाझींगा का भी पालन कर सकेंगे। इससे मत्स्य कृषक अपनी आर्थिक स्थिति में मजबूत कर सकते हैं। गौरतलब है कि पहले झारखंड में सिर्फ तीन जलाशयों, घाघरा जलाशय हजारीबाग, केलाघाघ जलाशय, सिमडेगा तथा मसरिया जलाशय, गुमला में महाझींगा पालन किया जा रहा था, जिसका परिणाम काफी बेहतर व उत्साहवर्धक रहा। महाझींगा पालन में संतोषप्रद प्रदर्शन देखते हुए जिला के सभी डीएफओ ने अन्य छोटे-छोटे जलाशयों में महाझींगा पालन करने के प्रति अभिरुचि दिखाई।

तत्पश्चात राज्य के छह अन्य नए जलाशयों, जिसमें बचरा (लातेहार), करंजी और नौरंगा जलाशय (रांची), नंदनी (लोहरदगा), धनसिंह जलाशय (गुमला) तथा बांकीबेरा जलाशय (दुमका) में भी महाझींगा पालन का कार्य प्रारंभ किया गया। 30 मार्च (सोमवार) को बांकीबेरा जलाशय, दुमका में 2,34,000 संख्या में महाझींगा के बीजों का संचयन किया है। इसके साथ ही विभाग द्वारा जलाशय के किसानों के लिए महाझींगा पालन हेतु आहार , मिनरल मिक्सर और जियोलाइट भी उपलब्ध कराया गया। गौरतलब है कि महाझींगा के बीज संचयन में सिफरी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ।एके दास, नवराजन तिर्की, जिला मत्स्य पदाधिकारी दुमका, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी सहित अन्य कर्मी तथा जलाशय समिति के मत्स्य कृषक उपस्थित रहे। डॉ।दास ने कहा कि महाझींगा पालन कर किसान बंधु अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे। महाझींगा की मांग बढ़ी है। महाझींगा का पालन बढ़ाकर किसान बाजार में बेचेंगे तो अच्छा दाम मिलेगा, आर्थिक उन्नति के साथ ही अपने जीवन परिवर्तन ला सकते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन प्रमण्डल, लोहरदगा

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 41/2025-26

1. विभाग का नाम :–भवन निर्माण विभाग।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, लोहरदगा।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :–दिनांक 06/04/2026 को 01:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि :–दिनांक 07/04/2026 को 03:00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की तिथि :–दिनांक 07/04/2026 को 03:30 बजे अपराह्न में।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–1. भवन अवर प्रमण्डल, पदाधिकारी–01, लोहरदगा का कार्यालय।
   2. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, लोहरदगा का कार्यालय।
   3. अधीक्षण अभियंता भवन अंचल संख्या–2,राँची का कार्यालय।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– 1. कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, लोहरदगा का कार्यालय।
8. कार्य का विस्तृत विवरण :–

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Renovation work of 2 Rooms of Hostel at Nadiya Hindu High School campus, Lohardaga	4,49,000=00	9,000=00	750=00	10 (Ten) Days

निविदा का परिमाण विपत्र क्रय हेतु निम्नांकित शर्तों का पालन अनिवार्य है :–
1- निबंधन पत्र, यूकैन, GST में निबंधन प्रमाण पत्र, अद्यतन 3B, अद्यतन चरित्र प्रमाण पत्र, समरूप कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित प्रति संलग्न करना होगा।
♣ विशेष जानकारी के लिए – www.jharkhand.gov.in या कार्यालय का सूचना पटट् पर देखें।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल, लोहरदगा

PR 376284 (Lohardaga)25-26*D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

शहरों के संतुलित विकास से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

देश में रोजगार के अवसरों को लेकर आए इस बदलाव को सकारात्मक संकेत कहा जा सकता है, जिसमें कॉपोर्रेट सेक्टर में जॉब मार्केट दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु जैसे महानगरों से खिसककर टियर-2 शहरों की तरफ बढ़ रहा है। यह बदलाव न सिर्फ रोजगार के अवसरों का विकेंद्रीकरण करने वाला है, बल्कि विकास की उस प्रवृत्ति को भी बदलने वाला है, जिसमें महानगरों पर ही ज्यादा ध्यान दिया जाता रहा है। जयपुर, इंदौर, लखनऊ और भुवनेश्वर जैसे शहरों में नई नौकरियों की मांग दशार्ती है कि यह 'रिवर्स माइग्रेशन' न केवल रोजगार चाहने वाले युवाओं, बल्कि कॉपोर्रेट जगत के लिए भी मुफीद साबित हो रहा है।

देखा जाए तो महानगरों से टियर-2 शहरों की ओर रोजगार का रुख बदलना सिर्फ आर्थिक पहलुओं से जुड़ा ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय दबावों का परिणाम भी है। महानगरों में यातायात जाम, महंगाई और प्रदूषण के संकट ने जीवन को वैसे भी परेशानियों वाला बना दिया है। इसका कारण है कि पिछले वर्षों में सरकारों ने विकास के केंद्रीकरण की तरफ ज्यादा ध्यान दिया है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु जैसे महानगरों पर आबादी और संसाधनों के अत्यधिक दबाव ने अब इस ओर भी ध्यान दिलाया है कि संतुलित विकास तभी संभव है, जब विकास के विकेंद्रीकरण को प्राथमिकता दी जाए। यों समझा जाना चाहिए कि छोटे शहरों को केवल 'बैकअप' के रूप में नहीं, बल्कि 'प्राथमिक विकल्प' के रूप में तैयार करना होगा।

निश्चित ही इन शहरों के विकास से जुड़ी एजेंसियों और राज्य सरकारों की यह बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और परिवहन के साथ-साथ तकनीकी सुविधाओं के विस्तार में अधिक से अधिक निवेश करें। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यही है कि क्या ये शहर उन अपेक्षित सुविधाओं को जुटा पाएंगे, जिनकी तलाश में कंपनियां और कर्मचारी दोनों ही अपनी जगह बदलने को तैयार हैं। किसी भी शहर को रोजगार का स्थायी केंद्र तब ही बनाया जा सकता है, जब वहां एयर कनेक्टिविटी, बेहतर स्थानीय परिवहन व्यवस्था, सस्ती आवासीय सुविधाएं, स्वच्छ वातावरण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हो। ऐसा न हो कि इन शहरों पर आबादी एक बोझ बनकर ही रह जाए। जीवन की गुणवत्ता बढ़ाए बिना इन शहरों के आकर्षण को बरकरार नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही 'रिवर्स माइग्रेशन' महानगरों में आबादी का दबाव भी कम करने वाला होगा। नीति-निमार्ता एवं कॉपोर्रेट जगत दोनों को ही मिलकर विकास के विकेंद्रीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ऐसा होने पर ही 'रिवर्स माइग्रेशन' एक अस्थायी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि स्थायी समाधान बनकर उभरेगा। यह कदम रोजगार और जीवन की गुणवत्ता दोनों को एक तरह से नई ऊंचाइयां प्रदान करने वाला होगा।

पीएनजी के विस्तार से कम होगा रसोई गैस का संकट

पश्चिम एशिया में अमेरिका व ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच भारत समेत पांच देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकासी की छूट मिली है। यह छूट तेल और एलपीजी आपूर्ति पर आए संकट के बीच राहत देने वाली कही जा सकती है। लेकिन इतना जरूर है कि युद्ध के इस संकट ने देश में रसोई के बजट और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बड़ी चुनौती पेश की है। यही वजह है कि गैस आपूर्ति सिस्टम को संतुलित करने व एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने की दिशा में अब तेजी से प्रयास होने लगे हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत सरकार ने देश में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के नेटवर्क के विस्तार की गति में तेजी लाने का फैसला किया है। वहीं अब यह भी अनिवार्य किया जा रहा है कि जहां पीएनजी लाइन है वहां यदि लोगों ने पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया तो उन्हें एलपीजी की आपूर्ति रोकी जा सकती है। एक तथ्य यह भी है कि फिलहाल देश में रसोई गैस की जरूरतों का बड़ा हिस्सा एलपीजी सिलेंडरों के जरिये ही पूरा होता है क्योंकि पीएनजी का नेटवर्क सीमित शहरों में ही पहुंच पाया है। देश में 33 करोड़ से ज्यादा घरेलू एलपीजी उपभोक्ता है जबकि महज 1.5 करोड़ घरों में ही पीएनजी कनेक्शन पहुंच पाया है। जबकि पीएनजी स्वदेशी और अधिक भरोसेमंद विकल्प है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि एलपीजी की तरह सिलेंडर खत्म होने और उसे रिफिल कराने की चिंता नहीं होती। पीएनजी आपूर्ति घरों में नलों के जरिए होने वाली जलापूर्ति की तरह होती है और सबसे बड़ी बात यह कि चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है।

पीएनजी का नेटवर्क बढ़ाने को लेकर की जा रही तैयारियों का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 'आग लगने पर कुआं खोदने' की माफिक अब जाकर पीएनजी की सुध ली जा रही है। एलपीजी के मुकाबले कहीं अधिक सस्ती पड़ने वाली पीएनजी की लाइनें बिछाने के दावे बरसों से किए जा रहे हैं लेकिन इसकी रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पाई। आर्थिक रूप से व सुरक्षा की दृष्टि से पीएनजी की उपयोगिता ज्यादा बेहतर है। पीएनजी और एलपीजी की तुलना करें तो पीएनजी आर्थिक रूप से काफी सस्ती पड़ती है। एलपीजी में उपभोक्ता को पूरे सिलेंडर का भुगतान पहले करना होता है जबकि पीएनजी आपूर्ति में 'पे-एज-यू-यूज' (जितना इस्तेमाल, उतना बिल) मॉडल काम करता है। इसके अलावा, सिलेंडर फटने या लीकेज का खतरा भी पीएनजी में न के बराबर होता है क्योंकि इसका दबाव काफी कम रखा जाता है। जरूरत इस बात की है कि जिन इलाकों में पीएनजी लाइनें आसानी से बिछाई जा सके वहां एलपीजी पर निर्भरता पूरी तरह खत्म करने के प्रयास हों। रसोई गैस संकट का जोखिम कम करने का यही कारगर उपाय है।

युद्ध की विभीषिका झेलता आम आदमी

'युद्ध की विभीषिकाओं के चलते एक तरफ जान-माल का विध्वंस तो दूसरी ओर आम आदमी के लिए विकास दर में गिरावट, महंगाई, बेरोजगारी और खाद्य असुरक्षा विश्व के लिए किसी भी प्रकार से मंगलकारी नहीं हो सकती'

डा. अश्विनी महाजन

पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हुए हमलों के बाद, जहां एक ओर इस युद्ध की आग 20 देशों तक फैल चुकी है, जिसकी वजह से हजारों जानें तो गई ही हैं, बड़ी मात्रा में तेल और गैस के भंडार भी नष्ट हुए हैं, भारी मात्रा में संपत्ति का भी नुकसान हुआ है, साथ ही पूरा विश्व ही समुद्री मार्गों के बाधित होने के कारण फिलहाल तो तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से भी जूझ रहा है। वैश्विक एजेंसियों की मानें तो युद्ध के कारण दुनिया में मुद्रास्फीति, गरीबी और खाद्य असुरक्षा भयंकर रूप से बढ़ सकती है। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, जहाजरानी लागतों में वृद्धि और महत्वपूर्ण कम्पोनेंट्स की उपलब्धता में कमी के चलते वैश्विक आपूर्ति आघात, अर्थव्यवस्थाओं में अफरा-तफरी मचा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह युद्ध अमेरिका की तेल भंडारों पर पकड़ बनाने की महत्वाकांक्षा के कारण हो रहा है, हालांकि पहले तो यह कहा गया कि ईरान आणविक हथियार बना रहा है और इसके कारण अमरीका और विश्व की शांति भंग हो सकती है, लेकिन अब अमेरिकी प्रशासन के लोग भी यह कहने लगे हैं कि अमेरिका ने बिना वजह इस युद्ध को छेड़ा है। वे इजरायल को युद्ध भडकाने के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन समझना होगा कि पहले तो वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी कर उसे अमेरिका लाया जाना, और अब ईरान पर हमला करना, विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि यह सब दुनिया के तेल भंडारों पर अमरीका के काबिज होने की कोशिश का यह संकेत है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी रायटर का यह कहना है कि इससे पहले इराक में सत्ता परिवर्तन के माध्यम से वहां के तेल भंडारों पर भी अमेरिका का लगभग कब्जा हो चुका है। दुनिया में अपनी धौंस जमाने के लिए इस प्रकार से युद्ध थोपना अवांछनीय है।

महंगाई का खतरा : यूं तो कोई भी जंग महंगाई को बढ़ाने का कारण बनती है, लेकिन दुनिया की अधिकांश कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले खाड़ी के देशों के इस जंग में शामिल होने के कारण स्वाभाविक तौर पर तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई तो बढ़ती ही है, समुद्र के रास्ते सामान की आवाजाही में आने वाले अवरोधों के कारण साजोसामान की कमी के चलते भी महंगाई बढ़ती है। युद्ध जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, यह समस्या भीषण रूप लेती जा रही है। महंगाई के कारण घटती क्रय शक्ति, आवश्यक वस्तुओं की कमी और सरकारों द्वारा उसे वहन करने की शक्ति कम होने पर सामाजिक अशांति का भी खतरा बढ़ सकता है। समझा जा सकता है कि युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई आवश्यक वस्तुओं की कमी और यदि उसके कारण सामाजिक अशांति फैलती है तो उसका सीधा सीधा खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है।

वित्तीय बाजारों में खलबली : युद्ध के हालात में निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर हो जाता है। व्यवसायों में विश्वास डगमगाता है और अनिश्चितता फैलती है। ऐसे में शेयरों और बांडों में निवेश की बजाय लोग ज्यादा सोना, चांदी खरीदने लगते हैं। स्वाभाविक तौर पर शेयर बाजार गिरने लगते हैं। भारत की बात करें तो युद्ध के समय से लेकर अभी तक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 7 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है। वैश्विक बाजारों की बात करें तो वहां भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में गिरावट का भी सीधा सीधा असर आम आदमी पर ही पड़ता है। एक तरफ उसके पोर्टफोलियो का मूल्य कम हो जाता है और साथ ही साथ पेंशन फंडों द्वारा शेयर बाजारों में निवेशित धन का मूल्य भी कम हो जाता है।

अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर : सामान्यतः भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर नकारात्मक ही पड़ता है। सबसे पहले तेल की कीमतें बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन बढ़ जाता है और विदेशी मुद्रा भंडार कम हो जाते हैं। दूसरे, बढ़ते आयात बिल और संस्थागत निवेशकों द्वारा पूंजी के बहिर्गमन के कारण स्थानीय मुद्रा का अवमूल्यन हो जाता है। गौरतलब है कि युद्ध के पिछले लगभग तीन सप्ताह में रुपए का मूल्य डॉलर के मुकाबले लगभग 3.0 प्रतिशत घट चुका है, और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। तीसरे मुद्रास्फीति से निजात दिलाने के लिए सरकारों को ऊर्जा, खाद्य पदार्थों और उर्वरकों पर अधिक सब्सिडी देनी पड़ती है या कर कम करने पड़ते हैं। ऐसे में सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है जिसका सीधा असर दोबारा से मुद्रास्फीति पर पड़ता है जिसका खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है। यही नहीं कि केवल विकासशील अर्थव्यवस्थाएं ही प्रभावित होंगी, विकसित देश भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। स्वयं अमरीका में भी आने वाले समय में भारी मंदी की आशंका व्यक्त की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज का कहना है कि इस बात की 49 प्रतिशत आशंका है कि अमरीका अगले 12 महीनों में मंदी का शिकार हो जाएगा और उसे रोक पाना कठिन होगा। इसके पीछे बढ़ती तेल कीमतें, युद्ध के कारण अवरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मार्ग, बताई जा रही हैं, एक तरफ रोजगारविहीन आर्थिकी संवृद्धि और दूसरी ओर युद्ध के कारण बढ़ती कीमतों के चलते अमरीका का मंदी में जाना लगभग तय माना जा रहा है।

बाधित हो सकती है खाद्य सुरक्षा : दुनिया में खाद्य पदार्थों का उत्पादन सभी देशों में इस जैसा नहीं है कि हर देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्वयं कर सके। ऐसे में इन देशों को खाद्य निर्यातक देशों से आयात पर निर्भर होना पड़ता है। युद्ध के कारण वस्तुओं के आवागमन में बाधा आती है जिसके चलते खाद्य पदार्थों के आयात पर निर्भर देशों में खाद्य सुरक्षा का संकट खड़ा हो जाता है। खाद्य असुरक्षा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि आदि का सीधा असर भी आम आदमी पर ही पड़ता है। हालांकि भारत अपनी खाद्य आवश्यकताओं के लिए अधिकांशतः आत्मनिर्भर है, लेकिन इसके बावजूद तेलों और दालों के मामले में आयात पर निर्भरता बनी हुई है। इन वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि भी आम आदमी के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल सकती है।

विकास पर प्रतिकूल प्रभाव : लंबे समय में, युद्ध के कारण व्यापार में रुकावटों और बढ़ती अनिश्चितता के कारण निवेश कम हो जाता है, जिससे वैश्विक जीडीपी की वृद्धि धीमी हो जाती है। दूसरे, युद्ध और पुनर्निर्माण पर बढ़ा हुआ खर्च सरकारों को ज्यादा कर्ज लेने के लिए बाध्य करता है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी कर्ज बढ़ जाता है और भविष्य में वित्तीय दबाव पैदा होता है। तीसरे, युद्ध के कारण तकनीकी बदलावों की दिशा रक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों की ओर मुड़ जाती है। इससे इनोवेशन को बढ़ावा तो मिलता है, लेकिन इसके साथ ही संसाधनों को सामाजिक और विकासात्मक क्षेत्रों से हटाकर दूसरी तरफ लगाना पड़ता है। कुल मिलाकर, युद्ध आर्थिक प्राथमिकताओं को बदल कर संतुलित तथा टिकाऊ वैश्विक विकास को कमजोर कर सकता है। आज सबसे जरूरी काम वैश्विक शांति को बहाल करना और यह सुनिश्चित करना है कि विकास में कोई रुकावट न आए। कोविड के बाद, वैश्विक विकास दर, जो अभी 2.5 प्रतिशत से 3.0 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, अभी तक कोविड-पूर्व के 3.5 प्रतिशत से 4.0 प्रतिशत के स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। ऐसा माना जा रहा है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक संवृद्धि की दर 0.2 प्रतिशत से 1.0 प्रतिशत तक और कम हो सकती है। युद्ध की विभीषिकाओं के चलते एक तरफ जान-माल का विध्वंस तो दूसरी ओर आम आदमी के लिए विकास दर में गिरावट, महंगाई, बेरोजगारी और खाद्य असुरक्षा विश्व के लिए किसी भी प्रकार से मंगलकारी नहीं हो सकती। विश्व के तमाम देशों को युद्ध की समाप्ति के लिए अपने प्रयास बढ़ाने होंगे।

सफल और सार्थक जीवन का आधार सम्यक दर्शन, ज्ञान

'शासन व्यक्ति की मानसिक पवित्रता को नष्ट कर उसकी सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक चेतना को विकृत कर देता है। इनसे बचाव के लिए भगवान महावीर ने अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह- इन पांच अणुव्रतों के माध्यम से मानव के संतुलित व्यक्तित्व विकास की नींव रखी।'

डॉ. अरिहंत कुमार जैन

भगवान महावीर भले ही जैनधर्म के 24वें तीर्थंकर हैं, परंतु उनके सार्वकालिक, सर्व कल्याणकारी, सर्वोदयी और शाश्वत सिद्धांत उन्हें जनधर्म का प्रणेता प्रस्तुत करते हैं। भगवान महावीर ने हमें जीवन को वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक ढंग से जीने की कला सिखाई है, जिसका सर्वप्रथम प्रयोग उन्होंने स्वयं पर किया और अपने दिव्य अनुभवों को मानव कल्याण के लिए जन-जन तक जनभाषा 'प्राकृत' के माध्यम से पहुंचाया। वे जानते थे कि भाषा भावों की अभिव्यक्ति और ज्ञान-प्रचार का साधन है। अतः इसके लिए यदि जनसामान्य के बोलचाल की जनभाषा प्राकृत को माध्यम बनाया जाए तो अति उत्तम होगा।

भगवान महावीर ने अनुसंधान किया कि प्रारंभिक तौर पर ऐसी कौन-सी आदतें हैं, जो मानव के व्यक्तित्व विकास में बाधक हैं। उन्होंने पाया कि सात ऐसी आदतें और पांच ऐसे पाप हैं, जो मानव को सम्यक पथ से भटका रहे हैं, जिनमें हैं जुआ, मांसाहार, मद्य(शराब आदि नशे का सेवन), शिकार, चोरी आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि व्यसनी व्यक्ति के जीवन में धर्म नहीं उतर सकता, क्योंकि व्यसन धर्म का शत्रु है। व्यसन व्यक्ति की मानसिक पवित्रता को नष्ट कर उसकी सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक चेतना को विकृत कर देता है। इनसे बचाव के लिए भगवान महावीर ने अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह- इन पांच अणुव्रतों के माध्यम से मानव के संतुलित व्यक्तित्व विकास की नींव रखी।

भगवान महावीर की यह स्पष्ट अवधारणा है कि हमारा व्यक्तित्व मात्र कपड़ों या शारीरिक सौंदर्य से ही निर्मित नहीं होता, उसमें हमारा चिंतन, वाणी और व्यवहार तथा आध्यात्मिक दृष्टि भी महत्वपूर्ण घटक है, जो हमारे सही और सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करता है। वे कहते हैं कि यदि सफल जीवन जीना चाहते हो तो विचारों में 'अनेकांत', वाणी में 'स्याद्वाद', आचार में 'अहिंसा' और जीवन में 'अपरिग्रह'- इन चार सूत्रों को अपना जीवन आदर्श बना लें, जिनसे व्यक्ति के एक ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है, जो स्वयं के साथ परिवार, समाज, राष्ट्र तथा सम्पूर्ण विश्व के लिए भी कल्याणकारी होगा।

भगवान महावीर आत्मा की अनंत सामर्थ्य को उजागर करते हुए कहते हैं कि इस आत्मा में भी परमात्मा बनने का सामर्थ्य सहज रूप से ही विद्यमान है, आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी शक्ति को पहचानें और तदनुरूप आचरण करें। तात्पर्य यह है कि ज्ञान-दर्शन-सुख-बल आदि अनन्त सामर्थ्य से परिपूर्ण यह आत्मा यदि अपनी शक्तिको पहचान कर राग-द्वेष मोह आदि वृत्तियों से मुक्त हो जाए तो यह भी 'महावीर' सदृश बनने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा। भगवान महावीर ने यह माना है कि व्यक्तित्व का आत्मिक विकास सर्वांगीण होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने सम्यक दर्शन (सही दृष्टि), सम्यक ज्ञान (सही ज्ञान/निष्ठा) व सम्यक चरित्र (सही आचरण)- इन रत्नत्रय के माध्यम से व्यक्तित्व विकास की ऐसी नींव रखी, जिसे मानव के मौलिक विकास में सहायक माना गया।

सर्वप्रथम व्यक्तित्व का सबसे बड़ा पहलू है कि आपकी दृष्टि कैसी है? आपका दृष्टिकोण सही होना चाहिए। आपकी दृष्टि और विश्वास से लक्ष्य के प्रति आपकी निष्ठा का पता चलता है और उसी से निर्धारित होता है कि आपकी सफलता कितनी सुनिश्चित है। यही 'सम्यग्दर्शन' है। सही ज्ञान के अभाव में हम लक्ष्य से भटक सकते हैं। लक्ष्य के बारे में हमारे पास सही तथा प्रामाणिक सूचनाएं भी होनी चाहिए। इसलिए 'सम्यक ज्ञान' जरूरी है। आप अपने लक्ष्य को तब तक नहीं प्राप्त कर सकते जब तक कि आप सही आचरण को प्राप्त नहीं कर लेते। पथ पर सही तरीके से चलना सही आचरण है। 'सम्यक चारित्र' ही हमारे व्यक्तित्व का अंतिम सोपान है।

चिंतन-मनन

साधना से उपलब्ध सामर्थ्य

श्रीराम शर्मा

साधना से उपलब्ध अतिरिक्त सामर्थ्य को विश्व के मूर्द्धन्य वर्गों को हिलाने-उलटने में लगाने का हमारा मन है। अच्छा होता सूई और धागे को आपस में पिरो देने वाले कोई सूत्र मिल जाते अन्यथा सर्वथा अपरिचित रहने की स्थिति में तारतम्य बैठने में कठिनाई होगी। मूर्द्धन्यों में सत्ताधीश, धनाध्यक्ष, वैज्ञानिक और मनीषी वर्ग का उल्लेख है। यह सर्वोच्च स्तर के भी होंगे और सामान्य स्तर के भी। सर्वोच्च स्तर वालों की सूक्ष्मता जहां पैनी होती है, वहां वे अहंकारी और आग्रही भी कम नहीं होते। इसलिए मात्र उच्च वर्ग तक ही अपने को सीमित न रखकर हम मध्यमवृत्ति के इन चारों को भी अपनी पकड़ में ले रहे हैं, ताकि बात नीचे से उठते-उठते ऊपर तक पहुंचने का भी कोई सिलसिला बने। दूसरा वर्ग जाग्रत आत्माओं का है। इसका उत्पादन सदा से भारतभूमि में अधिक होता रहा है। महामानव, ऋषि, मनीषी, देवता यहां जितने जन्मे हैं, उतने अन्यत्र कहीं नहीं। यही हमारे लिए समीप भी पड़ता है। अस्तु, प्रयत्न यह करेंगे कि जहां कहीं भी पूर्व संचित संस्कारों वाली आत्माएं दृष्टिगोचर हों, उन्हें समय का संदेश सुनाएं, युगधर्म बताएं और समझाएं कि यह समय व्यामोह में कटौती करके, किसी प्रकार निर्वाह भर में संतोष करने का है। जो हस्तगत है, उसे बोया, उगाया और हजार गुना बढ़ाया जाना चाहिए। हम अकेले ही उगे, बढ़े और गलकर समाप्त हो गए, तो यह एक दुर्घटना होगी। एक से हजार वाली बात सोची और कही जा रही है, तो उसकी प्रत्यक्ष परिणति भी वैसी ही होनी चाहिए। प्रज्ञा परिवार बड़ा है। फिर भारतभूमि की उर्वरता कम नहीं है। इसके अतिरिक्त अपनी योजना विश्वव्यापी है। उसकी परिधि में अकेला भारत ही नहीं, समूचा संसार भी आता है। अस्तु, प्रयत्न यह चला है कि विचार क्रांति की प्रक्रिया को परिस्थितियों के अनुरूप व्यापक बनाने के लिए जाग्रत आत्माओं का समुदाय हर क्षेत्र में, हर देश में मिले। कार्यपद्धतियां क्षेत्रीय वातावरण के अनुरूप बनती रहेंगी, पर लक्ष्य एक ही रहेगा, विचार परिवर्तन, प्रज्ञा अभियान। हम सब तीर की तरह सनसनाते हुए ही लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयत्न करेंगे। ब्रह्ममुहूर्त में मुर्गा तक बांग लगाने के लिए उठ खड़ा होता है, तो कोई कारण नहीं कि जिनमें प्राण चेतना विद्यमान है, वे महाकाल का आमंत्रण न सुनें और पेट प्रजनन की आड़ में व्यस्तता और अभावग्रस्तता की ही बहानेबाजी करते रहें।

आपके पत्र

अपने ऊपर नियंत्रण रखना सिखाती है शिक्षा

मनुष्य के जीवन में शिक्षा का महत्व अत्यंत गहरा माना गया है, परंतु केवल पुस्तकीय ज्ञान या डिग्रियों का संग्रह ही किसी को शिक्षित नहीं बनाता। वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को अपने ऊपर नियंत्रण रखना सिखाए। यदि कोई व्यक्ति हर परिस्थिति में स्वयं को संयमित रख सकता है तो वही सच्चे अर्थों में शिक्षित कहलाने योग्य है। इसके विपरीत यदि मन में उठने वाली उत्तेजनाओं और आवेगों पर नियंत्रण नहीं है तो ऐसी शिक्षा का कोई वास्तविक मूल्य नहीं रह जाता।

जीवन में महान कार्यों की प्राप्ति तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं का स्वामी बने और अपने विचारों तथा भावनाओं को दिशा देने में सक्षम हो। इतिहास इस सत्य का साक्षी रहा है कि आत्मसंयम के अभाव में असंख्य लोगों का जीवन नष्ट हुआ है। अनेक प्रतिभाशाली व्यक्ति अपनी ही कमजोरियों के कारण सब कुछ खो बैठे।

आरती वर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

कुपोषण केंद्र में 20 बेड के लिए पौष्टिक आहार,दवाई व नियमित जांच की सुविधा मौजूद है: रामदेव

साहिबगंज : शहर के पुराना अस्पताल परिसर में सोमवार को डीडीसी सतीश चंद्रा,सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान,कुपोषण केंद्र के इंचार्ज डॉ महमूद आलम एवं डॉ किरण माला ने संयुक्त रूप से कुपोषण केंद्र में क्रीड़ा कक्ष का उद्घाटन फीता काटकर किया।इस दौरान सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने बताया कि कुपोषण केंद्र में 20 बेड के लिए पौष्टिक आहार,दवाई व नियमित जांच की सुविधा मौजूद है।वहीं कुपोषित बच्चों के मनोरंजन के लिए क्रीड़ा कक्ष बनाया गया है।जिसमे बच्चो के खेलने के लिए कई सामान उपलब्ध है।इसके अलावे यहां भर्ती हुए बच्चों की मां को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कई तरह के प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।ताकि ऐसे बच्चों की मां यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार कर सकें।मौके पर कुपोषण केंद्र के इंचार्ज डॉ महमूद आलम,डॉ किरण माला सहित कई स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

नवनिर्वाचित ललित स्वदेशी को वरीय अधिवक्ता सूर्य नारायण यादव ने शपथ दिलायी

साहिबगंज : जिला अधिवक्ता संघ भवन साहिबगंज में नवनिर्वाचित पदाधिकारी को शपथ दिलाया गया।उक्त अवसर पर अध्यक्ष पद पर नवनिर्वाचित ललित स्वदेशी को वरीय अधिवक्ता सूर्य नारायण यादव ने शपथ दिलायी।वहीं उपाध्यक्ष पद पर नवनिर्वाचित गौतम प्रसाद सिंह दारा को वरीय अधिवक्ता अशोक श्रीवास्तव ने शपथ दिलाई।सचिव पद पर निर्वाचित विजय करण को अधिवक्ता विश्वनाथ यादव ने शपथ दिलाई है।इसी प्रकार अन्य पदों पर नव निर्वाचित संयुक्त सचिव लाल बाबू यादव,प्रशासनिक देवेंद्र चौधरी लाइब्रेरी ,कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार झा, सह कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार मंडल,कार्यकारिणी सदस्य,सुभाष कुमार गुप्ता,सुनीता सोरेन,जयप्रकाश रविदास,मानव पासवान एवं पवेंद्र रितेश को शपथ दिल आ गया।इस मौके पर सदस्य के सभी अधिवक्ता का उपस्थित थे।शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य चुनाव आयुक्त जनार्दन प्रसाद साह,एवं अन्य दो चुनाव आयुक्त सुरेश बजाज वो श्रीराम यादव उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश मंत्री बनी कृष्णा महतो,कार्यकर्ताओ ने दिया बधाई

साहिबगंज : जिला के छोटे से गांव दरला में जन्मी और आज झारखण्ड के भाजपा के प्रदेश मंत्री बनी।इसे लेकर साहिबगंज जिला के लोगो में बहुत खुशी का माहौल हैं।आपको बता दूँ कि कृष्णा महतो अपनी राजनीति जीवन भारतीय मजदूर संघ से 1994 से सुरु की थी।उसके बाद उन्होंने 2017 में भाजपा ज्वाइन की बस यही से सुरु हुई उनकी असल राजनीति। 2017 में ही महिला मोर्चा के सदस्य बनी,कुछ ही दिनों के बाद 2017 में ही भाजपा माहिला मोर्चा संथाल परगना के सेक्रेटरी बनी। 2021 में भाजपा के ओबीसी मोर्चा के नेशनल सेक्रेट्री बनी।2021में त्रिपुरा चुनाव के प्रभारी बनाई गई।2024 में उत्तराखंड के चुनाव प्रभारी बनाया गया। 2026 में पश्चिम बंगाल के मालदा जिला के चुनाव प्रभारी बनाई गई इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी की सहमति से झारखंड प्रदेश के प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो को बनाया गया।कृष्णा महतो को भाजपा के सदस्यों के द्वारा बधाई दी जा रही है वहीं उनके गांव में भी खुशी मनाई जा रही है।

पोद्दार होमियो क्लीनिक की ओर से की गई निशुल्क सेवा की गई

साहिबगंज : शहर में स्थित गायत्री शक्ति पीठ साहिबगंज में संचालित दातत्व चिकित्सालय में शहर के प्रसिद्ध पोद्दार होमियो क्लीनिक के चिकित्सक डॉ सूर्या नन्द ने उपस्थित होकर अपनी निशुल्क सेवा प्रदान की। लोगों ने बताया पोद्दार होमियो क्लिनिक की यह सराहनीय पहल है।होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ.एस.एन.प्रसाद ने कहा गायत्री शक्तिपीठ, साहिबगंज में प्रत्येक सोमवार शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे तक निशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने की शुरूआत की गई है। इस सेवा का शुभारंभ आज से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लिया।इस दौरान डॉक्टर साहब ने ट्यूमर गैस खुजली जोड़ों का दर्द,सिर दर्द सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों का जांच कर उन्हें उचित होम्योपैथिक दवा प्रदान की गई।साथ ही मरीजों को रोग से बचाव के लिए परहेज जीवनशैली सुधार एवं घरेलू उपायों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

शिक्षा विभाग की बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम सहित सभी संबंधित पदाधिकारी एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में शिक्षक उपस्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि ईवीवी आधारित 100 मीटर परिधि के भीतर बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज होने पर ही वेतन देय होगा तथा शून्य उपस्थिति वाले शिक्षकों से कारणपृच्छा की जाएगी। छात्र उपस्थिति में गिरावट पाए जाने पर

सरैयाहाट, रामगढ़ एवं जरमुण्डी प्रखण्ड के संबंधित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया। निपुण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कमजोर विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण, बच्चों की नियमित कक्षाएं संचालित करने तथा मासिक मूल्यांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ट्रांजिशन रेट में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए सरैयाहाट, जामा एवं रामगढ़ प्रखण्डों में विशेष सुधारात्मक कदम उठाने को कहा गया। प्रखण्ड स्तरीय गुरूगोष्ठी में जिला स्तरीय पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा निपुण कार्यक्रम पर व्यापक प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया। पलाश कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन नहीं करने वाले विद्यालयों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया।

साथ ही पीएम पोषण योजना के अंतर्गत विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता की निगरानी, जियो टैग फोटो अपलोड करने, जर्जर भवनों में किसी भी स्थिति में पढ़ाई या मध्याह्न भोजन नहीं कराने तथा तृतीय शनिवार को शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रखण्ड कार्यालय में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त स्पोकन इंग्लिश के लिए एक प्रभावी डिजाइन तैयार कर प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया।

वार्षिक आचार्य कार्यशाला के द्वितीय दिवस का शुभारंभ

साहिबगंज : विद्या भारती विधायल जमुना दास केदारनाथ चौधरी शिशु विद्या मंदिर में त्रिदिवसीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला के द्वितीय दिवस का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित व प्रभारी प्रधानाचार्य किरण कुमारी गुप्ता ने सरस्वती माता ओंकार और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।प्रथम सत्र में वंदना के उपरांत विद्यालय की कार्ययोजना का निर्माण किया गया।द्वितीय सत्र में हमारे शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक क्रियाकलापों की उत्कृष्टता पर चर्चा,राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में चर्चा किया गया।तृतीय सत्र में समय सारिणी पर चर्चा व निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण की गई।चतुर्थ सत्र में पाठ्यक्रम क्रियान्वयन पर विचार किया गया।सुलेख एवं वेश वस्ता की व्यवस्थितता पर समीक्षात्मक चर्चा की गई।पंचम सत्र में गृह कार्य एवं कक्षा कार्य के निष्पादन पर चर्चा किया गया। अध्यापन कौशल के विकास पर चिंतन भी किया पंचपदी शिक्षण प्रणाली पर चर्चा की गई।कार्यशाला में विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु भगिनी की उपस्थित थे।

विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित बडापंचगढ के पी एम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय में कार्यरत शिक्षक अनिल कुमार यादव आज सेवानिवृत्त हो गए।जो इस संदर्भ में स्कूल के शिक्षिका रानी झा के द्वारा संबोधित करते हुए कहा बताया की अनिल यादव जी अपने प्रारंभिक शिक्षा 12 जनवरी 1988 को गुरुतर गुरु के उत्तरदायित्व में पूर्ण मध्य विद्यालय केलाबाड़ी राजमहल में पद ग्रहण किया।जबकि 12 जनवरी से 11 जुलाई 1998 तक उच्च विद्यालय में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत रहे और 12 जुलाई 1988 से 26 जून 2002 तक बांग्ला बालक मध्य विद्यालय साहिबगंज में जिसमें 27 फरवरी 2002 से 31 मार्च 26 तक पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़ा पंचगढ़ बोरियों में

शिक्षक पद पर रहते हुए आज 31 मार्च 2026 को शिक्षक पद से सेवानिर्मित हो रहे हैं वह भारत भाषा की गोद में पढ़ने वाले असंख्यक नानी हालों को ज्ञान लोकगीत किया विभिन्न परिस्थितियों में उनके चुनौतियों को शिकार कर अपने कार्य का निर्वहन सरलता पूर्वक किया जो अपने आप में एक मिसाल है माह जनवरी 2001 से विद्यालय का प्रभार लेकर बच्चों के सवार्गीण विकास में अहम भूमिका निभाई सौभाग्य की बात यह है कि विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण को देखकर विद्यालय का उत्क्रमित पीएम श्री विद्यालय के रूप में हुआ अपने प्रभारी प्रधानाध्यापक के कार्यालय में भी विद्यालय के बच्चों को हमेशा प्रखंड जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रेरित करते रहे इस सेवानिर्मित समारोह में डीईओ दुगार्नंद झा, डीएससी शिक्षा विभाग के एसडीओ एवं शिक्षक निरज कुमार सिंह बिधूनाथ झा, भिखारी शाह,विक्की कुमार,राजीव चौधरी,मुन्ना यादव सहित दर्जनों शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे।

टीका है जो ह्यूमन पैपिलोमावायरस संक्रमण से बचाता है : डीडीसी

संवाददाता

साहिबगंज : पटेल चौक स्थित पुराना सदर अस्पताल में डीडीसी सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन रामदेव पासवान सहित संयुक्त रूप से दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस संदर्भ में डीडीसी सतीश चंद्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि एचपीवी वैक्सीन एक अत्यंत प्रभावी टीका है जो ह्यूमन पैपिलो मावायरस संक्रमण से बचाता है।जो मुख्य रूप से सर्वाइकल गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जननांग मस्सों और अन्य कैंसर गुदा गले का कारण बनता है। यह 9-45 वर्ष की आयु के लोगों विशेषकर 9-14 वर्ष की लड़कियों के लिए अनुशंसित है। और यौन रूप से सक्रिय होने से पहले लगवाना सबसे अच्छा है। एचपीवी वैक्सीन का विस्तृत विवरण उद्देश्य यह टीका शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कोएचपीवी के खतरनाक प्रकारों से लड़ने के लिए तैयार करता है।जिससे कैंसर का खतरा कम हो जाता है।लक्ष्य आयु समूह आमतौर पर 11-12 वर्ष की उम्र में दी जाती है। लेकिन 9-45 वर्ष के बीच कभी भी लगवाई जा सकती है।खुराक 9-14 वर्ष दो खुराक 6-12 महीने के अंतराल पर 15-45 वर्ष तीन खुराक 0, 1-2, और 6 महीने के पैटर्न में।महत्व भारत में, यह 14 साल की लड़कियों के लिए,सर्वाइकल कैंसर के खिलाफएक महत्वपूर्ण बचाव है। जो 70% से अधिक मामलों को रोक सकता है।सुरक्षा और दुष्प्रभाव यह टीका सुरक्षित है। सामान्य दुष्प्रभावों में इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द, हल्का बुखार, या चक्कर आना शामिल हो सकते हैं। महत्वपूर्ण यह टीका यौन रूप से सक्रिय होने से पहले लगवाने पर 90% से अधिक सुरक्षा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मी ललित कुमार सिंह, मुनि जी पांण्डे डॉ किरणमाला ,डॉक्टर अमित कुमार , राजीव रंजन सहीत कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का सफल समापन

संवाददाता

साहिबगंज/पतना : भारतीय जनता पार्टी, साहेबगंज जिला अंतर्गत पतना मंडल में मंडल अध्यक्ष कुणाल मण्डल के कुशल नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम का सफल आयोजन व प्रशिक्षण के साथ समापन किया गया कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे और कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।कार्यक्रम के प्रभारी के रूप में कृपानाथ मंडल तथा वक्ता के रूप में अनुराग राहुल,मंडल मुर्मू, सोनेलाल ठाकुर,चौकीदार हांसदा एवं गरिमा साह ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का स्मरण करते हुए शक्तिकेंद्र प्रभारियों एवं बूथ अध्यक्षों को पार्टी के दिशा-निर्देश,अनुशासन और संगठनात्मक कार्यशैली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इस प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकताओं में नई ऊर्जा और संगठन के प्रति समर्पण की भावना का संचार हुआ।उक्त कार्यक्रम में रोहित रजक,भोला साह, अशोक ठाकुर,अजीत साहा,असित साह,संजय साह,जोगन मुर्मू,रॉबिन दास,पूनम देवी,लालू किस्कू,बिंदु सोरेन,शिबू सोरेन, रामकुमार टूरी, दुर्गा टुडू, माइकल बेसरा,बाबूचंद मुर्मू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

जिला परिषद अध्यक्षा ने किया एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता

देवघर : सोमवार को सदर अस्पताल में लढश (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ जिला परिषद् अध्यक्षा किरण कुमारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. रमेश कुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लढश टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह टीका किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बच्चियों को समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं।

इसके अलावा कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, चिकित्सक, एएनएम, सहिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। साथ ही बड़ी संख्या में लाभार्थियों की भी सहभागिता रही।

इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जागरूकता संदेश भी दिए गए और टीकाकरण से संबंधित शंकाओं का समाधान किया गया। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। अंत में जिला परिषद अध्यक्षा किरण कुमारी ने हरी झंडी दिखा कर एचपीवी जागरूकता रथ को रवाना किया।इस अभियान को जनहित में महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से सहयोग की अपील की, ताकि जिले में अधिक से अधिक लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिल सके।

छह नामों से जानी जाती थीं मीना कुमारी

अपने संजीदा अभिनय से दर्शकों के दिलों को छू लेने वाली महान अदाकारा मीना कुमारी रील लाइफ में.. ट्रेजडी क्वीन.. के नाम से मशहूर हुईं, लेकिन रियल लाइफ में वह छह नामों से जानीं जाती थीं। मुंबई में 01 अगस्त, 1932 को एक मध्यम वर्गीय मुस्लिम परिवार मे मीना कुमारी का जब जन्म हुआ तो पिता अलीबख्श और मां इकबाल बानो ने उनका नाम रखा .माहजबीं.. ।

बचपन के दिनों में मीना कुमारी की आंखे बहुत छोटी थीं, इसलिए परिवार वाले उन्हें चीनी कहकर पुकारा करते थे। ऐसा इसलिए कि चीनी लोगों की आंखे छोटी हुआ करती हैं। लगभग चार वर्ष की उम्र में ही मीना कुमारी ने फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। प्रकाश पिक्चर के बैनर तले बनी फिल्म लेदरफेस में उनका नाम रखा गया बेबी मीना। इसके बाद मीना ने बच्चों का खेल में बतौर अभिनेत्री काम किया। इस फिल्म में उन्हें मीना कुमारी का नाम दिया गया। मीना कुमारी को फिल्मों अभिनय करने के अलावा शेरो-शायरी का भी बेहद शौक था। इसके लिए वह नाज उपनाम का इस्तेमाल करती थीं। मीना कुमारी के पति कमाल अमरोही प्यार से उन्हें मंजू कहकर बुलाया करते थे। अपने संजीदा अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाने वाली मीना कुमारी ने 31 मार्च, 1972 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

तू मेरी जिंदगी के लिए मनाली पहुंचे कार्तिक आर्यन

अनुराग बसु कर रहे फिल्म का निर्देशन, देवलोक में फिल्माए कई सीन

कुल्लू-मनाली की वादियां कट, एक्शन, कैमरा से गूंज उठी हैं। एक बार फिर बालीवुड सितारे व निदेशक अनुराग बसु मनाली पहुंचे हैं। श्रीनगर में शूटिंग के बाद फिल्म यूनिट सीधे सोमवार को मनाली पहुंची। सोमवार को मनाली पहुंचने पर फिल्म के सीन देव लोक में फिल्माए गए। फिल्म में अभिनेता कार्तिक आर्यन और साउथ अभिनेत्री श्रीलीला नजर आएंगे। एक सप्ताह तक फिल्म की शूटिंग मनाली व लाहुल में शूट की जाएगी।

अपने पसंदीदा अभिनेता कार्तिक आर्यन की झलक पाने को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह है। पर्यटन सीजन के बीच शूटिंग ने मनाली की रौनक को और बढ़ा दिया है। होटल व्यवसायियों और स्थानीय कारोबारियों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं मानी जा रही है। फिल्हाल फिल्म का नाम ह्यतू मेरी जिंदगीह्ल बताया जा रहा है।

स्थानीय को-ऑडिनेटर अनिल कायस्था की माने तो एक सप्ताह तक मनाली और लाहुल में फिल्म की शूटिंग की जाएगी। मंगलवार को जाणां व नग्गर में फिल्म के सीन फिल्माए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों को भी फिल्म में काम करने का मौका मिला है।

''हम हमेशा तुम्हारे साथ हैं..सौतेली बेटी के बर्थडे पर दीया मिर्जा ने लुटाया बेशुमार प्यार समायरा को बताया जिंदगी का सहारा

एक्ट्रेस दिया मिर्जा इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ पर ध्यान दे रही हैं। वह काम के साथ अपनी फैमिली की खुशियों का खूब ध्यान रखती हैं। वहीं, हाल ही में दिया सौतेली बेटी समायरा रेखी के बर्थडे पर उस पर प्यार लुटाती नजर आईं। समायरा के 17वें बर्थडे पर एक्ट्रेस ने खास पोस्ट शेयर किया, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

समयरा के बर्थडे पर दीया ने अपनी बेटी के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'हैप्पी 17वां जन्मदिन, मेरी प्यारी बच्ची। तुम जो बनना चाहो, वही बन सकती हो। हमेशा याद रखना कि हम तुमसे प्यार करने, तुम्हारा हौसला बढ़ाने, तुम्हें संभालने और तुम्हें सुरक्षित महसूस कराने के लिए तुम्हारे साथ हैं। तुम मेरी जिंदगी का सहारा हो।'

दीया के इस पोस्ट को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। जिस तरह उन्होंने अपनी सौतेली बेटी के लिए रियल मां वाला प्यार और सपोर्ट दिखाया, उनके इस अंदाज को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

खास बात है कि दीया ने समायरा पर कभी 'मां' कहने के लिए प्रेशर नहीं डाला। एक बार एक्ट्रेस ने खुद बताया था कि समायरा उन्हें नाम से बुलाती है और उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है क्योंकि उनके लिए रिश्ते का असली मतलब रिस्पेक्ट और अपनापन है।

बता दें, दिया मिर्जा ने साल 2021 में बिजनेसमैन वैभव रेखी से शादी की थी और इसके बाद बेटे अव्यान को जन्म दिया। समायरा, वैभव रेखी की पहली पत्नी की बेटी हैं, जिसे दिया बेहद प्यार करती हैं।

काम की बात करें तो दिया मिर्जा आखिरी बार फिल्म 'नादानियां' में नजर आई थी और अब वह 'इक्का' नाम की एक लीगल ड्रामा फिल्म में दिखाई देंगी।

पेड्डी के लिए राम चरण ने आठ महीने तक हर दिन की कड़ी मेहनत,8

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार रामचरण ने फिल्म पेड्डी के लिये आठ महीने तक हर दिन कड़ी मेहनत की है। पेड्डी 2026 की सबसे ज्यादा अवेटेड फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में हैं। इस फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। जब से इस फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ है, फैंस और इंडस्ट्री के बीच इसे लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। मेकर्स ने हाल ही में पेड्डी पहलवान की झलक दिखाई है, जिसमें राम चरण का कुश्ती के लिए गजब का ट्रांस्फॉर्मेशन दिखा है, और यह वाकई इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन ट्रांस्फॉर्मेशन्स में से एक है। जहां हम राम चरण को एकदम अलग फिजीक में देख रहे हैं, वहीं निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने उनके इस सफर के बारे में बताया है।

बुच्ची बाबू सना ने रामचरण के इस नए लुक के पीछे की ट्रेनिंग के बारे में डिटेल में बताया। उन्होंने कहा, रामचरण ने बहुत मेहनत की है, एक पहलवान जैसी बॉडी पाने के लिए लगभग आठ महीने तक हर दिन ट्रेनिंग की। उनका अनुशासन सिर्फ ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं था, अयप्पा दीक्षा के दौरान उन्होंने मांसाहारी खाने से भी पूरी तरह दूरी बनाए रखी।

बुच्ची बाबू सना ने बताया, हर पहलवान ट्रेनिंग के लिए मुग्दर का इस्तेमाल करता है। पेड्डी में उनके किरदार का गदा के साथ एक गहरा जुड़ाव है, जिसे वे अपने वर्कआउट के हिस्से के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने इसके साथ जमकर ट्रेनिंग की है, और फाइट सीक्वेंसेस में भी इसका इस्तेमाल मिट्टी और पारंपरिक कुश्ती के सेटअप के साथ दिखाया गया है।

55 की उम्र में खुलकर सफेद बाल फ्लॉन्ट करने पर बोलीं मनीषा कोइराला-'असली रूप में रहना ज्यादा अच्छा लगता है'

एक्ट्रेस मनीषा कोइराला अपने जमाने की खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हालांकि, अब वह बढ़ती उम्र के साथ अपनी नेचुरैलिटी को खुलकर अपना रही हैं। 55 साल की उम्र में मनीषा अपने सफेद होते बालों को खुलकर फ्लॉन्ट कर रही हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने सफेद बालों के साथ फोटोशूट भी करवाया था, जिसकी तस्वीरों ने खूब चर्चा बटोरी थी। वहीं, अब हाल ही में उन्होंने अपने सफेद बालों को कलर न करने पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में मनीषा कोइराला ने कहा कि अब वह किसी तय खूबसूरती के दायरे में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहीं। उनके

लिए ये बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि धीरे-धीरे उनके अंदर एक सोच विकसित होती गई।

उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपने असली रूप में रहना ज्यादा अच्छा लगता है और यही उन्हें सुकून देता है।

मनीषा का मानना है कि खूबसूरती का दायरा बढ़ना चाहिए, सिमटना नहीं। उन्होंने कहा- मुझे उम्मीद है कि यह लोगों को याद दिलाएगा कि उम्र के साथ-साथ ग्रेस और मजबूती और गहरी होती जाती है। हां, दबाव तो होता है, लेकिन मैंने उसके साथ समझौता कर लिया है। जो चीज मेरे लिए बनी है, वह मुझे मिल ही जाएगी और मैं गलत वजहों से लोगों की स्वीकार्यता पाने के बजाय असली बने रहना ज्यादा पसंद करूंगी।'

इससे पहले ईद के मौके पर अपनी तस्वीर शेयर कर मनीषा ने लिखा था- 'कुछ दिन ऐसे होते हैं जब चमकने के लिए किसी वजह की जरूरत नहीं होती। बस अपनी पसंदीदा ज्वेलरी और एक खुश दिल ही काफी होता है।' मनीषा कोइराला ने साल 1991 में हिंदी फिल्म 'सौदागर' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। आखरि में उन्होंने कहा कि उनकी यह सोच निजी जिंदगी की चुनौतियों से बहुत ज्यादा प्रभावित है। बीते कुछ साल में ओवेरियन कैंसर के साथ उनकी लड़ाई भी शामिल है। पहले, यह बाहरी चीजों से जुड़ा था। अब यह पूरी तरह से अंदरूनी और निजी है। यह शांति, मजबूती और दयालुता के बारे में है। मेरे लिए यही असली खूबसूरती है।

राम चरण की ब्लॉकबस्टर रंगस्थलम के 8 साल पूरे मेकर्स ने शेयर किया मेकिंग का अनदेखा वीडियो

पुष्पा की भारी सफलता के बाद, ऐसी चर्चाएं हैं कि सुकुमार अपनी फिल्म रंगस्थलम के स्टार राम चरण के साथ एक आने वाले प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ सकते हैं।

सुकुमार इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन फिल्म मेकर्स में से एक हैं, जो अपनी यूनिक विजन और डायरेक्शन से कहानी कहने के अंदाज को एक नई पहचान दे रहे हैं। बेहतरीन एक्टर्स को साथ लाने और उनसे कमाल की परफॉरमेंस निकलवाने की उनकी काबिलियत ने हर किसी का दिल जीता है। सालों से कई ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद, पुष्पा फ्रैंचाइजी से पहले रंगस्थलम सुकुमार की सबसे बड़ी फिल्म रही है। इस फिल्म में ग्लोबल स्टार राम चरण के साथ सामंथा रुथ प्रभु और जगपति बाबू लीड रोल्स में नजर आए थे।

चूंकि आज इस फिल्म की रिलीज को 8 साल पूरे हो गए हैं, इसलिए सुकुमार ने इस मौके को सेलिब्रेट करने के लिए सोशल मीडिया पर फिल्म की मेकिंग का एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में शूटिंग के दौरान के कुछ अनसुने पल, शूट की झलकियां और सुकुमार व चरण के बीच के खूबसूरत रिश्ते को कैद किया गया है।

वीडियो शेयर करते हुए फिल्म मेकर ने लिखा, साल पूरे होने का जश्न , एक ऐसी फिल्म जिसने दिलों को जीता, इतिहास रचा और कहानी कहने के अंदाज को एक नई पहचान दी।

एक असली ब्लॉकबस्टर जो हर सिनेमा प्रेमी के दिल में आज भी जिंदा है। राम चरण और सुकुमार का यह मच-अवेटेड रीयूनियन पुष्पा फ्रैंचाइजी की भारी सफलता के बाद सुकुमार की अगली बड़ी फिल्म होने की उम्मीद है। सुकुमार ने आज भारत के लीडिंग डायरेक्टर्स में अपनी जगह पक्की कर ली है, जिसका बड़ा श्रेय अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा फ्रैंचाइजी की जबरदस्त कामयाबी को जाता है। यह फिल्म घरेलू स्तर पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी, जिसने एक ऐसा बेंचमार्क सेट किया है जिसे धुरंधर 2 जल्द ही तोड़ सकती है।

दो साल से 'सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस' बीमारी से जूझ रही हैं अलाक याग्निक, बताया- नहीं ले पा रहीं नए सिंगिंग असाइनमेंट

फेमस प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक ने साल 2024 में खुलासा किया था कि वह हियरिंग की एक रेयर बीमारी से जूझ रही हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें उन्हें सुनने में दिक्कत होती है। वहीं, अब हाल ही में अलका ने अपनी इस रेयर बीमारी के बारे में खुलकर बात की और इससे सामने आने वाली परेशानियों के बारे में भी बताया।

हाल ही में एक बातचीत में अलका यागनिक ने अपनी बीमारी के बारे में बात की और बताया कि वो अभी भी उस बीमारी से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा इसकी वजह से अब वे सिंगिंग असाइनमेंट भी नहीं ले पा रही हैं।

हाल ही में भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर सिंगर ने कहा, मेरी बेटी ने मुझे बताया। यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं भारत सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे इस सम्मान के लिए चुना।

दो साल पहले अलका ने किया था अपनी बीमारी का खुलासाः बता दें, अलका याग्निक ने साल 2024 में अपनी हियरिंग की समस्या का खुलासा करते हुए इंस्टाग्राम पर बड़ा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंनने बताया था कि वह एक रेयर 'सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस' (सुनने की शक्ति में कमी) से जूझ रही हैं, जो एक वायरल इंफेक्शन के कारण हुई थी। इसके साथ ही उन्होंने उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद रखने की गुजारिश की थी। अपनी बीमारी के बारे में खुलासा करने के बाद अलका ने गाने के कोई नए प्रोजेक्ट नहीं लिए हैं। उन्होंने कहा था, कंपोजर कभी-कभार मेरे पास आते रहते हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पा रही हूं।

बता दें, अलका याग्निक का आखिरी रिकॉर्ड किया गया गाना 'अमर सिंह चमकीला' का 'नरम कालजा' था, जिसे इम्तियाज अली ने निर्देशित किया था और ए.आर. रहमान ने संगीत दिया था।

बांग्लादेश में नहीं होगा आईपीएल का लाइव टेलिकास्ट जियो स्टार ने खत्म किया प्रसारण से जुड़ा करार

,2

नई दिल्ली: आईपीएल 2026 के बीच एक बड़ा प्रसारण विवाद सामने आया है, जिससे बांग्लादेश में क्रिकेट फैंस को झटका लग सकता है। जियोस्टार ने बांग्लादेश में इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण से जुड़ा अपना करार खत्म कर दिया। इसका सीधा असर यह होगा कि इस सीजन में बांग्लादेश में आईपीएल का लोकल टेलीकास्ट नहीं हो पाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, जियोस्टार ने अपने स्थानीय पार्टनर टी स्पोर्ट्स के साथ किया गया एग्रीमेंट तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया। कंपनी का कहना है कि टी स्पोर्ट्स ने भुगतान समय पर नहीं किया और लगातार डिफॉल्ट करता रहा, जिसके चलते यह फैसला लिया गया।

दरअसल, टी स्पोर्ट्स ने 2023 से 2027 तक के आईपीएल सीजन के लिए जियोस्टार से सब-लाइसेंस लिया था। मगर पेमेंट में देरी और शर्तों का पालन न करने के कारण यह डील बीच में ही खत्म हो गई। जियोस्टार ने 17 फरवरी को भेजे अपने पत्र में साफ कहा कि एग्रीमेंट तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है।

आईपीएल 2026 : आज पंजाब के धुरंधरों से टकराएंगे गिल के टाइटंस

न्यू चंडीगढ़ में शाम 7:30 बजे से श्रेयस-शुभमन में होगी जबरदस्त भिड़ंत

न्यू चंडीगढ़: भारतीय टी-20 टीम से बाहर बल्लेबाज शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जब आईपीएल में क्रमशः गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की अगवाई करेंगे, तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी-20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। वर्ष 2023 के बाद से आईपीएल में गिल से ज्यादा रन सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं, लेकिन अब फोकस निरंतरता की बजाय स्ट्राइक रेट पर है। गिल का टी-20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है, लेकिन

पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर मैथ्यू हेडन स्टाफ का हिस्सा हैं। लिहाजा गिल की छक्के मारने के कौशल और बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी। हार्दिक पांड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी का जिम्मा भी बखूबी संभाला है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में आईपीएल खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है।

सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। वहीं, पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा, जो तीन अलग-अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची, जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रेयस को भारतीय टी-20 टीम में जगह नहीं मिली और भारत के लिए आखिरी टी20 उन्होंने दिसंबर, 2023 में खेला था। पंजाब की ताकत उसके भारतीय क्रिकेटरों में हैं, जिनमें सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य शामिल हैं। मध्यक्रम में निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे हैं, जिनका सामना राशिद खान की अगवाई में बेहतरीन स्पिन आक्रमण से होगा।

बंगाल विधानसभा चुनाव : बीजेपी ने 13 उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट की जारी, मैनागुड़ी में बदला उम्मीदवार

कोलकाता : भाजपा ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 13 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की है और साथ ही मैनागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार को भी बदल दिया है। भाजपा की इस चौथी सूची में 13 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। वहीं दूसरी सूची में घोषित एक उम्मीदवार का नाम भी बदला गया है। सूची के अनुसार, दूसरी सूची में घोषित मैनागुड़ी (अनुसूचित जाति) सीट से अब दालिम रॉय भाजपा के उम्मीदवार होंगे।

भाजपा की इस नई सूची के अनुसार, सिताई सीट से आशुतोष वर्मा नाटाबाड़ी से गिरिजा शंकर रॉय, बागदा से सोमा ठाकुर, मगराहाट पूर्व से उत्तम कुमार बनिक और फालटा से देबांगशु पांडा को टिकट दिया गया है। वहीं सोनारपुर उत्तर से देबाशीष पाठक, हावड़ा दक्षिण से श्यामल हाती, पंचला सीट से रंजन कुमार पॉल, चंडीपुर से पीयूष कांति दास, गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा, मेमारी से मानव गुहा और बाराबनी सीट से अरिजीत रॉय भाजपा उम्मीदवार होंगे।

केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर की पत्नी सोमा ठाकुर को उत्तर 24 परगना जिले के बागदा से मैदान में उतारा गया है। साथ ही, हाल ही में कांग्रेस छोड़कर बीजपी में शामिल हुए संतोष पाठक को बीजेपी ने कोलकाता के चौरंगी विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है।

असम में बीजेपी ने जारी किया घोषणापत्र

दिसपुर : असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मंगलवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया। गुवाहाटी स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में इसे संकल्प पत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया।

घोषणापत्र में बीजेपी ने सत्ता में वापसी पर राज्य में पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने, जमीन जिहाद पर रोक लगाने और दो लाख रोजगार सृजित करने का वादा किया है। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का भी संकल्प दोहराया गया है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्पष्ट किया कि यूसीसी को लागू करते समय छठी अनुसूची के तहत आने वाले क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातीय इलाकों को इससे बाहर रखा जाएगा। उन्होंने लव जिहाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने और असम को बाढ़मुक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रयासों का भी आश्वासन दिया।

सीएम ने कहा कि सरकार बनने के बाद पहले दो वर्षों में बाढ़ नियंत्रण के लिए 18 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज, वन यूनिवर्सिटी, वन इंजीनियरिंग कॉलेज की योजना को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सुरक्षित असम, विकसित असम का निर्माण है। उन्होंने बताया कि इस संकल्प पत्र को तैयार करने में राज्यभर से प्राप्त करीब 2.45 लाख सुझावों को शामिल किया गया है।

कांगड़ा में शराब माफिया पर सबसे बड़ी कार्रवाई पुलिस ने पकड़ी 149 पेटी अवैध देशी दारू

कांगड़ाः सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे कांगड़ा पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की है। यह कार्रवाई डीएसपी अंकित शर्मा और थाना प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस द्वारा कांगड़ा बाईपास के नजदीक स्थित हनुमान मंदिर के पास लगाए गए नाके के दौरान एक पिकअप गाड़ी (नंबर एचपी-90-1656) को जांच के लिए रोका गया।

तलाशी के दौरान गाड़ी से 149 पेटी अवैध देशी शराब (मार्का वी आर वी संतरा) बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 13,41,000 मिलीलीटर बताई जा रही है। मामले में गाड़ी चालक सृजन शर्मा, पुत्र सुनील कुमार शर्मा, निवासी गांव क्यारी, डाकघर व तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा के खिलाफ पुलिस थाना में अभियोग संख्या 53/26 के तहत धारा 39(1) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बरामद शराब और वाहन दोनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मर्जी से तेल नहीं खरीद सकता भारत, राहुल गांधी का तीखा हमला, कंप्रोमाइज्ड हो गए हैं पीएम, ट्रंप की परमिशन जरूरी,2

एजेंसी/तिरुवनंतपुरमः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक कंप्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री हैं। केरल में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि अमेरिका-भारत समझौते के डिटेल देखने पर साफ हो जाएगा कि कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री इसे तब तक नहीं साइन कर सकता, जब तक वह कंप्रोमाइज्ड न हो। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र को अमेरिकी किसानों के लिए खोल दिया है, साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा को अमरीकियों के हवाले कर दिया है। आज भारत अपनी मर्जी से तेल नहीं खरीद सकता, बल्कि उसे इजाजत लेनी पड़ती है। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी केरल में यूडीएफ सरकार नहीं चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी जानते हैं कि भ्रष्टाचार के कारण वे एलडीएफ सरकार को नियंत्रित कर सकते हैं और एलडीएफ कभी भी दिल्ली में उनको चुनौती नहीं दे सकता। इसलिए वह समझते हैं कि केवल कांग्रेस ही उन्हें दिल्ली और पूरे देश में हरा सकती है, इसी वजह से मोदी केरल में एलडीएफ को मजबूत करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी केरल दौरे के दौरान सबरीमाला मुद्दे पर चुप रहे, जो साफ संकेत है कि भाजपा और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा साथ काम कर रहे हैं।

आरएसएस को ही मिलेगा विदेशी फंडः भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ हमारी वैचारिक लड़ाई है। उन्होंने कोट्टायम में कहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन विधेयक लाया जाना है, जिससे गंभीर बात है, क्योंकि इसके तहत केवल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ही विदेशी फंड प्राप्त कर सकेगा, जबकि अन्य संगठनों पर रोक लगा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आरएसएस में ऐसी क्या खास बात है कि उनके लिए अलग नियम हैं? वे नफरत फैलाते हैं और लोगों को बांटते हैं। भाजपा इसी तरह काम करती है।

1 अप्रैल से कबाड़ हो जाएंगे ये सीसीटीवी कैमरे, लागू हो रहे हैं सख्त नियम

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए एक बेहद अहम और बड़ा फैसला लिया है। कल यानी 1 अप्रैल से देश भर में चीनी मूल के इंटरनेट कनेक्टेड सीसीटीवी कैमरों की बिक्री पर सख्त पाबंदियां लागू होने जा रही हैं। सरकार के इस कदम के बाद अब बिना कड़े सुरक्षा मानकों को पूरा किए कोई भी कंपनी अपने कैमरे भारतीय बाजार में नहीं बेच पाएगी। यह फैसला सीधे तौर पर देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखने के लिए लिया गया है।

कैमरा कंपनियों को माननी होंगी ये सख्त शर्तें: नए सरकारी नियमों के अनुसार, अब भारत में सीसीटीवी कैमरा बनाने और बेचने वाली सभी कंपनियों को अपने प्रोडक्ट्स का पूरा डेटा सरकार के साथ साझा करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही कंपनियों को यह भी पुख्ता करना होगा कि इन डिवाइस से रिकॉर्ड होने वाला कोई भी डेटा किसी भी हाल में भारत के बाहर ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। अगर कोई कंपनी इन सख्त नियमों की अनदेखी करती है, तो उसके उत्पादों पर देश में पूरी तरह से बैन लगाया जा सकता है।

हिकविजन और डाहुआ जैसी चीनी कंपनियों की बढ़ेगी मुश्किलें : सरकार के इस नए फरमान से विशेष रूप से चीन की प्रमुख कैमरा कंपनियों की नींद उड़ गई है। हिकविजन और डाहुआ जैसे बड़े चीनी ब्रांड्स के भारतीय बाजार पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ने की संभावना है, क्योंकि अब इनके अधिकतर प्रोडक्ट्स नए और कड़े सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के दायरे में आ जाएंगे। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब सभी सीसीटीवी उपकरणों को सरकारी लैब से अनिवार्य रूप से टेस्टिंग करवानी होगी और सर्टिफिकेशन लेना होगा। इसके साथ ही डेटा सुरक्षा, लोकल स्टोरेज और हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर की बारीक जानकारी भी सरकार को देनी होगी।

क्या भारतीय ब्रांड्स के लिए खुलेंगे तरक्की के नए रास्ते? : केंद्र सरकार का दृढ़ विश्वास है कि इस बड़े और साहसिक कदम से देश की आंतरिक सुरक्षा को अभेद्य बनाने में काफी मदद मिलेगी। विदेशी सर्वरों पर संवेदनशील डेटा के लीक होने या उसके दुरुपयोग का खतरा अब खत्म हो जाएगा। इसके अलावा, विदेशी और खासकर चीनी कंपनियों पर लगाम कसने से बाजार में स्वदेशी कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय कैमरा ब्रांड्स के लिए तरक्की के नए व बड़े अवसर पैदा होंगे।

ममता की चुनाव आयोग से शिकायत, बीजेपी पर चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने, मतदाताओं को धमकाने का लगाया आरोप

संवाददाता

नयी दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने और मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और किरेन रिजिजू के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग पहुंचकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, किरण रिजिजू और सुकांत मजूमदार के साथ-साथ अनिल बलूनी और पार्टी के कई नेता शामिल थे। नेताओं ने आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की। श्री रिजिजू ने मीडिया से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर लोगों के घरों में जाकर धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने प्रशासन और पुलिस की मदद से पूरे चुनाव को हाईजैक कर लिया है।

भाजपा नेताओं का दावा है कि पिछले चुनावों में भी सत्ताधारी दल ने दबाव और दादागिरी के जरिए जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और इसे किसी भी तरह से प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा ने चुनाव आयोग से अपील की कि वह पश्चिम बंगाल के प्रशासन और पुलिस तंत्र को अपने नियंत्रण में लेकर निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करे। वहीं, भाजपा का यह भी दावा है कि राज्य में जनता तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ है और इसी वजह से सत्ताधारी दल घबराकर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

14 साल की सजा से लेकर 3 करोड़ जुर्माने तक, पाकिस्तान में तेल-गैस की चोरी पर बनेगा कानून, आतंकवाद की धारा भी लगेगी

इस्लामाबाद : तेल और गैस संकट के बीच पाकिस्तान सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए अवैध भंडारण, चोरी और तस्करी को आतंकवाद की श्रेणी में लाने का फैसला किया है। इस संबंध में सोमवार को नेशनल असेंबली में आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया।

डॉन अखबार के अनुसार, सरकार का कहना है कि तेल माफिया पहले तेल ठिकानों और पाइपलाइनों पर हमले करते हैं और फिर चोरी कर उसे ऊंचे दामों पर बेचते हैं। इससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल देश में आतंक फैलाने के लिए किया जाता है।

इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून लाने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित कानून के तहत तेल और गैस की चोरी, अवैध भंडारण और तस्करी को गंभीर आपराधिक अपराध माना जाएगा और जरूरत पड़ने पर आरोपियों पर आतंकवाद निरोधक कानून भी लगाया जा सकेगा।

इस बीच, सोमवार को बलूचिस्तान में एक तेल पाइपलाइन पर हमले की खबर सामने आई, जिसके चलते क्वेटा सहित कई इलाकों में आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि, हमले के पीछे किसका हाथ है, इस पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

प्रस्तावित कानून की प्रमुख बातें

1. तेल या गैस की चोरी करते पकड़े जाने पर आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होगा, जिसमें 14 साल तक की सजा और 3 करोड़ रुपये तक जुमार्ना हो सकता है।
2. तेल और गैस की तस्करी या अवैध भंडारण पर 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। पेट्रोलियम पाइपलाइन पर हमले के मामलों में भी कड़ी कार्रवाई होगी।
3. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वारंट की आवश्यकता नहीं होगी; अधिकारी स्वतः कार्रवाई कर सकेंगे।
4. कानून में इन अपराधों को आतंकवाद से जुड़े मामलों की तरह सख्ती से निपटाने का प्रावधान किया गया है, जहां न्यूनतम सजा 14 साल तक हो सकती है।

5 लाख करोड़ निवेश का वादा,जमीन जिहाद पर लगाएंगे रोक ।

दुनिया में बजा भारत का डंका, इस ग्लोबल मामले में 56% हिस्सेदारी के साथ बना नंबर वन

,7

नई दिल्ली : नागोया प्रोटोकॉल के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में भारत ने दुनिया भर में अपना परचम लहरा दिया है। भारत अब वैश्विक स्तर पर इस मामले में अग्रणी देश बन गया है। एबीएस क्लियरिंग-हाउस के जारी किए गए ताजा आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि दुनिया भर में जारी किए गए सभी प्रमाणपत्रों में से 56 प्रतिशत से अधिक अकेले भारत ने जारी किए हैं। भारत ने कुल 6,311 वैश्विक प्रमाणपत्रों में से 3,561 आईआरसीसी जारी कर इस प्रोटोकॉल को लागू करने में बाकी सभी बड़े देशों को काफी पीछे छोड़ दिया है।

फ्रांस और स्पेन जैसे विकसित देश भी छूटे पीछेः पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले इस वैश्विक मंच यानी एबीएस क्लियरिंग-हाउस पर कुल 142 देश पंजीकृत हैं। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि इनमें से अब तक केवल 34 देशों ने ही आईआरसीसी जारी करने में कामयाबी हासिल की है। इस सूची में भारत पहले पायदान पर है, जिसके बाद दूसरे नंबर पर फ्रांस है जिसने केवल 964 प्रमाणपत्र जारी किए हैं। इसके बाद स्पेन (320), अर्जेंटीना (257), पनामा (156) और केन्या (144) का नंबर आता है। यह शानदार आंकड़ा जैविक संसाधनों और उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान के पारदर्शी उपयोग के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता का सबसे बड़ा सबूत है।

आखिर क्या है नागोया प्रोटोकॉल और आईआरसीसी? : नागोया प्रोटोकॉल के कड़े नियमों के तहत, उन सभी देशों को आईआरसीसी जारी करना अनिवार्य होता है जो अपने आनुवंशिक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान तक पहुंच प्रदान करते हैं। ये प्रमाणपत्र इस बात का एक आधिकारिक और पुख्ता प्रमाण होते हैं कि संसाधनों के उपयोग के लिए पूर्व सूचित सहमति ले ली गई है और उपयोगकर्ता व प्रदाता के बीच आपसी शर्तों पर पूरी तरह से सहमति बन गई है। सहमति बनने के बाद इस पूरे विवरण को एबीएस क्लियरिंग-हाउस के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाता है, जिससे संसाधनों के उपयोग से लेकर उसके कमर्शियल एप्लीकेशन तक पूरी नजर रखी जा सके।

भारत ने कैसे हासिल किया यह बड़ा मुकाम? : वैश्विक स्तर पर भारत की यह नंबर वन पोजीशन जैव विविधता अधिनियम, 2002 के तहत बनाए गए इसके प्रभावी ढांचे को दशार्ती है। देश में इसे केंद्रीय स्तर पर राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, राज्य स्तर पर राज्य बोर्डों और स्थानीय स्तर पर प्रबंधन समितियों के जरिए शानदार तरीके से लागू किया गया है। भारत की इसी सुव्यवस्थित प्रक्रिया और मजबूत तंत्र ने न सिर्फ आवेदनों को तेजी से निपटाने में मदद की है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सख्ती से पालन भी सुनिश्चित किया है। भारत की यह ऐतिहासिक उपलब्धि वैश्विक पर्यावरण समझौतों और जैव विविधता संरक्षण में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उसकी स्थिति को और ज्यादा मजबूत बनाती है।

सामूहिक छुट्टी पर गए 69 राजस्व अधिकारियों पर गिरी गाज, सरकार ने मांगा जवाब

पटनाः जिले से बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की खबर सामने आई है। बिहार सरकार ने सामूहिक रूप से अवकाश लेकर ड्यूटी से गायब रहने वाले 69 परीक्ष्यमान राजस्व अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सामूहिक अवकाश घोषित हुआ अवैधः विभाग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि इन अधिकारियों द्वारा लिया गया सामूहिक अवकाश नियमों के खिलाफ है और इसे अवैध माना गया है। सरकार ने इस अवधि को डाईस नॉन घोषित किया है, यानी इस दौरान की अनुपस्थिति को सेवा में नहीं जोड़ा जाएगा।

तय समय पर नहीं किया जॉइन, बढ़ी परेशानीः आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने 25 मार्च 2026 की शाम तक भी अपने-अपने पदों पर योगदान नहीं दिया। इस लापरवाही को सरकार ने गंभीर अनुशासनहीनता माना है और इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बर्खास्तगी तक की चेतावनीः जारी नोटिस में साफ कहा गया है कि यह कृत्य न सिर्फ सरकारी आदेशों की अनदेखी है, बल्कि सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन भी है। अधिकारियों से पूछा गया है कि उनके खिलाफ सेवा से बर्खास्त करने की कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। साथ ही यह चेतावनी भी दी गई है कि यदि 13 अप्रैल 2026 तक जवाब नहीं दिया गया, तो विभाग एकतरफा निर्णय लेते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा।

किन जिलों के अधिकारी शामिल? : यह कार्रवाई राज्य के 24 जिलों में तैनात अधिकारियों पर की गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में गया, रोहतास और मधुबनी शामिल हैं, जहां सबसे अधिक अधिकारी इस मामले में घिरे हैं। इसके अलावा बक्सर, बेगूसराय, कटिहार, मधेपुरा, पूर्वी चंपारण, वैशाली और जमुई समेत कई जिलों के अधिकारी भी कार्रवाई के दायरे में हैं। पटना सहित अन्य जिलों के कुछ अधिकारी भी इस सूची में शामिल हैं, जिससे यह मामला राज्य स्तर पर बड़ा प्रशासनिक मुद्दा बन गया है।

प्रशासनिक सख्ती का बड़ा संकेत : इस कार्रवाई को सरकार की सख्त प्रशासनिक नीति के रूप में देखा जा रहा है। साफ संकेत दिया गया है कि ड्यूटी में लापरवाही और सामूहिक अनुशासनहीनता को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

सीएम पशुधन विकास योजना को लेकर चयन समिति की बैठक स्थगित

चतरा: हंटरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में सोमवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रखंड स्तरीय चयन समिति की बैठक स्थगित किया गया। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप ने की। बैठक में मुख्यमंत्री पशुधन योजना 2023-2024 और 2025-2026 में पंचायत प्रतिनिधियों ने अनियमितता का आरोप लगाया। प्रतिनिधियों का आरोप था कि ग्राम सभा कर सभी पंचायतों से अभिलेख लिया जाता है, परंतु चयन होने के उपरांत किसी किसी पंचायत में एक भी लाभुकों को स्वीकृति नहीं मिलती है। तो वही कुछ पंचायतों में अधिक चयन होता है। इसी बात को लेकर मुखिया में आक्रोश देखा गया। हालांकि मुखिया के आक्रोश को देखते हुए बीडीओ ने बैठक को स्थगित कर दिया। सभी मुखिया ने जिला पशुपालन पदाधिकारी और उप विकास आयुक्त से मार्गदर्शन की मांग की है। इस मौके पर प्रखंड के दर्जनों पंचायत के मुखियागण मौजूद थे।

राष्ट्रपति से मिले सांसद कालीचरण सिंह

चतरा : लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह ने देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के गौरव, विश्वविख्यात माँ भद्रकाली एवं माँ कौलेश्वरी मंदिर पधारने हेतु राष्ट्रपति को सादर आमंत्रण दिया।

धीरज कुमार वर्मा को झारखण्ड क्रांति मंच का पलामू जिलाध्यक्ष मनोनीत

मेदिनीनगर : झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने आज मेदिनीनगर के कचहरी प्रांगण में नावाटोली मुहल्ला निवासी व मेदिनीनगर के जन मुद्दों पर हमेशा मुखर रहनेवाले धीरज कुमार वर्मा उर्फ धीरज चन्द्रवंशी को झारखंड क्रांति मंच का पलामू जिलाध्यक्ष मनोनयन से सम्बंधित पत्र सौंपा।

ज्ञातव्य है कि इस अवसर पर मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि समाज के कमजोर वर्गों के दुःख-सुख में हमेशा साथ रहकर संघर्ष करनेवाले धीरज भाई के मंच की अध्यक्षता सम्हालने से ना केवल मेदिनीनगर बल्कि पूरे पलामू में जन मुद्दों पर संघर्ष तेज होगा साथ ही जमीनीस्तर पर संगठन को गति मिलेगी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि जेकेएम के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय राम जी को मंच का केन्द्रीय सचिव सह कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। निश्चित रूप से उनके कार्यकाल में मंच ने संगठन व संघर्ष के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

गौरतलब है कि मंच के नव मनोनित पलामू जिलाध्यक्ष धीरज कुमार वर्मा को संयुक्त रूप से मनोनयन पत्र सौंपते हुए जेकेएम के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु,, मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह एम०के०के०यू०झारखण्ड के केन्द्रीय अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद विश्वकर्मा,मंच के केन्द्रीय महासचिव सदीक अंसारी, केन्द्रीय सचिव सह कार्यालय प्रभारी विजय राम व केन्द्रीय कमेटी सदस्य कृष्णा बैठा ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से धीरज भाई के नेतृत्व में झारखण्ड क्रांति मंच नवीन उपलब्धियों को प्राप्त करेगा। मेदिनीनगर शहर की समस्याओं के साथ ही पलामू में व्याप्त जन समस्याओं पर संघर्ष तेज होगा।

सर्वसम्मति से 4 रुपया चौधराना किराया पारित

मेदिनीनगर : आज महापौर अरुणा शंकर की अध्यक्षता में दूसरे बोर्ड की बैठक आहुत हुई जिसमें माननीय उपमहापौर मनोज सिंह जी , माननीय विधायक आलोक चौरसिया जी विशेष रूप से सम्मिलित हुए । बैठक में माननीय सांसद की ओर से उनके प्रतिनिधि श्री विजय ओझा जी भी उपस्थित रहे। माननीय महापौर अरुणा शंकर ने बैठक में सभी उपस्थित अतिथियों के अलावे माननीय पार्षदों का स्वागत किया । बैठक की पूरी कार्रवाई नगर आयुक्त मोहम्मद जावेद हुसैन की देखरेख में संचालित की गई । आज की बैठक में मुख्यत चालू वित्तीय वर्ष का लेखा-जोखा पारित करना, नवनिर्मित कार्यालय में महापौर, उपमहापौर तथा मान्य पार्षदों की बैठने की व्यवस्था करना एवं महापौर द्वारा लाए गए प्रस्ताव सरकार के पत्रांक 4053/दिनांक 22-11- 22 के आलोक में चोधराना बाजार का किराया₹4 करने का प्रस्ताव लाया को लाया गया जिसे सर्वसम्मति से तीनों एजेंडा को पारित किया गया । महापौर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा ₹4 रुपया बाजार चौधराना का किराया करने की अनुशंसा माननीय विधायक आलोक चौरसिया जी, माननीय उपमहापौर मनोज सिंह जी एवं पूरे बोर्ड ने की है जल्द इसे लागू कर दिया जाएगा । महापौर ने कहा जल्द बोर्ड की अगली बैठक आहुत की जाएगी उसमें मुख्यत निगम से जुड़े नए ग्रामीण क्षेत्र के विकास, शहर के पुराने रोड और नाली की मरम्मत के साथ नई योजये और शहरी जलापूर्ति योजना फेस टू पर चर्चा होगी । बोर्ड की बैठक की समाप्ति माननीय पार्षद श्री विवेकानंद त्रिपाठी जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया ।

चक्रधरपुर रेल मंडल में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, मनीष कुमार पाठक बने सीनियर डीओएम कोऑर्डिनेशन

अवनीश का गार्डेनरीच मुख्यालय तबादला, अजय कुमार को मिली नई जिम्मेदारी

संवाददाता

चक्रधरपुर रेल मंडल में ऑपरेटिंग विभाग के स्तर पर बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। मंडल के नए सीनियर डीओएम (कोऑर्डिनेशन) के रूप में मनीष कुमार पाठक की नियुक्ति की गई है। वहीं, निवर्तमान सीनियर डीओएम कोऑर्डिनेशन अवनीश का तबादला दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डेनरीच (कोलकाता) में डिप्टी चीफ कॉमर्शियल मैनेजर (फ्रेट मैनेजमेंट) के पद पर कर दिया गया है। इस संबंध में दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय के डिप्टी चीफ पर्सनल ऑफिसर माणिक शंकर द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

मनीष कुमार पाठक इससे पहले दक्षिण पूर्व रेलवे के जनरल मैनेजर के सेक्रेटरी टू जीएम के पद पर कार्यरत थे। उनके स्थान पर अब डिप्टी सीईई (प्रोजेक्ट) अजय कुमार को सेक्रेटरी टू जीएम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मनीष कुमार पाठक का चक्रधरपुर रेल मंडल से पुराना जुड़ाव रहा है। वे मई 2019 से लेकर वर्ष 2023 तक चक्रधरपुर रेल मंडल में सीनियर डीसीएम के पद पर कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा वे इससे पहले

डीओएम के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जिससे उन्हें ट्रेनों के परिचालन का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

कोरोना काल के कठिन दौर में मनीष कुमार पाठक ने अपने कार्यों से अलग पहचान बनाई थी। उस समय प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष ट्रेनों का सफल संचालन, यात्रियों के भोजन-पानी की व्यवस्था और संक्रमण के खतरे के बावजूद स्टेशन पर मौजूद रहकर कार्यों को अंजाम देना उनके इस तरह के प्रशंसनीय कार्यशैली आज भी लोग याद करते हैं।चक्रधरपुर रेल मंडल में सीनियर डीओएम (कोऑर्डिनेशन) का पद मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के संचालन के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में मनीष कुमार पाठक की इस पद पर नियुक्ति से रेल संचालन व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

सगीर अंसारी ने बलियापुर घटना में लोगों की गिरफ्तारी पर उठाए गंभीर सवाल

रस्सी से बांधकर सरेबाजार घुमाने को बताया मानवाधिकार का खुला उल्लंघन, उच्च स्तरीय जांच की मांग

संवाददाता

धनबाद के बलियापुर (सिंधियाटांड़) में हुए विवाद के बाद धनबाद पुलिस की कार्यशैली अब गंभीर सवालों के घेरे में है। विशेषकर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों को रस्सी से बांधकर सरेबाजार घुमाने (परेड कराने) की घटना ने तूल पकड़ लिया है। इस पूरे मामले में मोमिन कॉन्फ्रेंस ने कड़ा ऐतराज जताते हुए पुलिस पर एकतरफा और पक्षपाती कार्रवाई करने का गंभीर आरोप लगाया है। मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव सगीर अंसारी ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पुलिस द्वारा आरोपियों को कमर में रस्सी बांधकर बाजार में घुमाने के वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद समुदाय में भारी रोष है। सगीर अंसारी ने इसे अमानवीय और असंवैधानिक कृत्य करार दिया है। उनका कहना है कि किसी भी व्यक्ति को जब तक अदालत दोषी करार न दे दे, उसके साथ अपराधियों जैसा बर्ताव करना और सरेआम जलील करना सीधे तौर पर मानवाधिकारों का हनन है।

सगीर अंसारी ने कहा कि बलियापुर घटना के बाद धनबाद पुलिस मुख्य साजिशकताओं और असली उपद्रवियों को पकड़ने के बजाय एकतरफा कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विशेष वर्ग के निर्दोष लोगों को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय महासचिव ने पुलिस द्वारा आरोपियों को सरेबाजार घुमाने की घटना पर सख्त आपत्ति जताते हुए कहा कि यह पुलिसिया तानाशाही का प्रतीक है। उन्होंने दोषी पुलिस अधिकारियों पर इस अमानवीय कृत्य के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जिन निर्दोष युवाओं को बिना किसी ठोस सबूत के गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है और जिन्हें जलील किया गया है, उन्हें अविलंब रिहा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग वास्तव में अफवाह फैलाने और माहौल बिगाड़ने जैसी घटनाओं में शामिल थे, उनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए।पुलिस की कार्रवाई की निंदा के साथ-साथ सगीर अंसारी ने स्थानीय लोगों से संयम बरतने और किसी भी बहकावे में न आकर इलाके में आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील भी की है।

महिला के साथ मारपीट कर चेहरा काला कर पूरे मोहल्ले में घुमाया गया

आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : रांची के सदर थाना इलाके से एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला के साथ मारपीट कर उसका चेहरा काला कर पूरे मोहल्ले में घुमाया गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घर में घुसकर खींचा बाहर, फिर किया अपमान

पीड़िता के मुताबिक 29 मार्च को पंकज कुमार नाम का व्यक्ति उसके घर पहुंचा। वहां पहुंचते ही उसने गाली-गलौज शुरू कर दी और जबरन महिला को घर से बाहर खींच लिया। इसके बाद आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट की और उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित किया।

चप्पल की माला पहनाकर घुमाया गया

आरोप है कि महिला और एक अन्य महिला को चप्पलों की

माला पहनाई गई। इतना ही नहीं, उनके चेहरे पर कालिख पोतकर पूरे मोहल्ले में घुमाया गया। यह घटना न सिर्फ मारपीट बल्कि सार्वजनिक अपमान का गंभीर मामला बन गई है।

कपड़े फाड़े, गलत नीयत से पकड़ने की कोशिश

पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी ने उनके कपड़े फाड़ दिए और गलत नीयत से पकड़ने की कोशिश की। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके बेटे और परिचितों पर वाहन चोरी का झूठा आरोप लगाकर इस पूरी घटना को अंजाम दिया गया।

पुलिस ने तुरंत लिया एक्शन

महिला की शिकायत पर सदर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। थाना प्रभारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पंकज कुमार सिंह उर्फ पंकज और सनताना कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को सोमवार को जेल भेज दिया गया है।

खूंटी की रहने वाली है पीड़िता

जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला खूंटी जिले की रहने वाली है और रांची में किराए के मकान में रह रही थी। उसने बताया कि उसके परिवार पर चोरी का आरोप लगाकर उसे बेइज्जत किया गया और पूरे मोहल्ले में घुमाया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति का टूटा पैर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के चतरा - डोभी मुख्य पथ पानी टंकी स्थित पैदल जा रहे एक व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया और उस व्यक्ति का बायां पैर टूट गया। घायल को स्थानीय राहगीरों ने हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। घायल राजू मंडल (55 वर्ष) बिहार के गयाजी जिले के बहेरा थाना क्षेत्र के घोड़ाघाट का रहने वाला है। राजू ने बताया कि वह अपने बेटी के घर जोरी आया हुआ था। रात में उसे प्रदेश जाना था। हंटरगंज में बाजार करने आया था वह जैसे ही पानी टंकी के पास पहुंचा, तो पीछे से आई तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। फिलहाल चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बायां पैर टूट जाने के वजह से गया जी मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।

लापता मासूम को पुलिस ने 12 घंटे के अंदर सकुशल किया बरामद

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कौलेश्वरी पहाड़ से लापता मासूम को महज 12 घंटे के अंदर बरामद कर लिया है। बच्चे के मिलने से परिजनों में खुशी का माहौल है।मासूम के स्वजन ने पुलिस और कौलेश्वरी प्रबंधन समिति का आभार व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज निवासी धर्मेंद्र कुमार विश्वकर्मा का 4 वर्षीय पुत्र शौर्य कुमार अपने परिजनों के साथ रविवार को कौलेश्वरी मंदिर पूजा अर्चना करने आया था। तभी

मासूम अचानक लापता हो गया। जिससे परिजनों का रो रो बुरा हाल था। मासूम के पिता धर्मेंद्र ने इसकी मौखिक सूचना कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं हंटरगंज थाना पुलिस को दी। हंटरगंज थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हंटरगंज और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। करीब 12 घंटों की तलाश के बाद मासूम को कौलेश्वरी पहाड़ से सकुशल बरामद कर लिया गया। मासूम के सुरक्षित मिलने के बाद परिवार, कौलेश्वरी प्रबंधन समिति और पुलिस ने राहत की सांस ली।

टाटानगर होकर चलेगी संतरागाछी मुंबई स्पेशल ट्रेन

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन होकर संतरागाछी मुंबई स्पेशल ट्रेन का परिचालन 21 अप्रैल से शुरू होगा जो 16 जुलाई तक 24 बार अपडाउन करेगी। गर्मी छुट्टी को लेकर टाटानगर समेत और स्टेशनों से मुंबई मार्ग की ट्रेनों में वेटिंग को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से स्पेशल ट्रेन चलाने का आदेश हुआ है। उम्मीद है कि रेलवे जोन हावड़ा समेत और स्टेशनों से भी विभिन्न मार्ग में स्पेशल ट्रेनों को चलाएगी।

भावुक माहौल में शिक्षकों को दी विदाई, सेवाकाल की सराहना

संवाददाता

चतरा : आज सेवानिवृत्त हो रहे जिले के पांच शिक्षकों को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय में सोमवार को आयोजित सादे समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मध्य विद्यालय मरमदीरी के शिक्षक विश्वजीत घोष, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मायापुर के चतुरी राम, मध्य विद्यालय खरीक के श्याम किशोर, मध्य विद्यालय तेलियाडीह की शिक्षिका शोभना कुमारी एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरहद के शिक्षक विमल प्रसाद सिंह को सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार के नेतृत्व में किया गया, जहां सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को उपहार देकर उनके वर्षों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान जहां सहकर्मियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के समर्पण, अनुशासन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। वहीं जिला

शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार ने कहा कि शिक्षकों का योगदान केवल विद्यालय तक सीमित नहीं होता, बल्कि वे समाज निर्माण की नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि अपने सेवाकाल में जो ईन सभी शिक्षकों नें अनुभव और संस्कार दिए हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। डीएसई नें कहा कि सेवानिवृत्ति केवल एक औपचारिकता है, आपका मार्गदर्शन समाज को आगे भी मिलता रहेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों के स्वस्थ, सुखद और सम्मानपूर्ण भविष्य की कामना की।वहीं अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रमेश राम ने भी सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक कभी भी अपने कर्तव्यों से पूरी तरह अलग नहीं होते। उन्होंने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप भले ही सेवा से मुक्त हो रहे हैं, लेकिन आपका अनुभव और मार्गदर्शन समाज और शिक्षा जगत के लिए हमेशा अमूल्य रहेगा। हम सभी आपके उज्ज्वल और सुखमय जीवन की कामना करते हैं। समारोह में मिडिया प्रभारी इकबाल कासिम, कार्यालय लिपिक अविनाश कुमार, प्रेम कुमार, राजेंद्र कुमार, रंजन कुमार, संतोष कुमार, रत्नाकर पांडेय एवं राकेश कुमार सहित कई शिक्षक एवं कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।